दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 अंक : 5 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शुक्रवार 24 जनवरी, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

भारत-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, 'ऑप्स अलर्ट' शुरू

जयपुर टाइम्स

कोलकाता(एजेंसी)। देश के 76वें गणतंत्र दिवस से पहले भारत ने भारत-बाग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा और सीमा चौकियों की कड़ी सुरक्षा के लिए बीएसएफ ने अपने सभी क्षेत्रीय संरचनाओं में 'ऑप्स अलट' शुरू कर दिया है।

इस दौरान भारत-बांग्लादेश सीमा पर गश्त और अन्य ऑपरेशन को और मजबूत कर दिया है। उल्लेखनीय है कि भारत बांग्लादेश के साथ बंगाल से लेकर मेघालय तक 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। बीएसएफ के मुख्य विशेष महानिदेश (पूर्वी कमान) के जनसंपर्क अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि इस संबंध में रवि गांधी, अतिरिक्त महानिदेशक (पूर्वी कमान) और सभी अधिकारियों ने पूर्वी कमान के क्षेत्र में प्रभुत्व की समीक्षा की।

गांधी खुद भी बीएसएफ की परिचालन तैयारियों और रणनीतिक तैनाती की निगरानी के लिए दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं।

अतिरिक्त महानिदेशक ने सभी क्षेत्रीय संरचनाओं को निगरानी बढ़ाने और विशेष रूप से नदी की सीमाओं और बिना बाड़ वाली सीमाओं पर सतर्क रहने का निर्देश दिया है।

अधिकारी ने बताया कि 'ऑप्स अलट' अभ्यास के दौरान, बीएसएफ के जवान, सीमा तथा सीमा के निकट आंतरिक इलाकों में विभिन्न सुरक्षा अभ्यास करेंगे।

इसके अलावा, सीमाओं पर होने वाली घटनाओं से निपटने के लिए विभिन्न परिचालन प्रक्रियाओं की वैधता के साथ-साथ सीमावर्ती आबादी क्षेत्रों के साथ बातचीत के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। यह 'ऑप्स अलट' अभ्यास बुधवार से शुरू हुआ है और 31 जनवरी तक जारी रहेगा।

न्यूज इनबॉक्स

केजरी पर वार, आप की सरकार में भ्रष्टाचारः नड्डा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली। भाजपा के राष्टीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विधानसभा चुनाव प्रचार के सिलसिले में उत्तम नगर और शकूरबस्ती विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलताओं का मुद्दा उठाया। नड्डा ने कहा कि आप-दा सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य,

पानी, सीसीटीवी, मोहल्ला क्लीनिक और अन्य क्षेत्रों में बड़े घोटाले किए। उन्होंने दावा किया कि शराब घोटाले से लेकर वक्फ बोर्ड और राशन वितरण तक भ्रष्टाचार के रिकॉर्ड तोड़ दिए गए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 10 सालों में आम आदमी पार्टी वालों ने भ्रष्टाचार किया और आप-दा सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। सबसे बड़ी बिडंबना और दुख इस बात का है कि जो भ्रष्टाचार से लड़ते हुए राजनीति में आया था उसी ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले। इस आप-दा सरकार ने शिक्षा की बात की, लेकिन शिक्षा छोड़कर शराब में लग गए और शराब घोटाले में भी छोटा नहीं बल्कि 2800 करोड़ रुपये का घोटाला किया। उसी तरीके से पानी देने की बात कही गई, लेकिन आज दिल्ली भर में या तो पानी नहीं आता और आता भी है तो गंदा पानी आता है। 28000 करोड़ रुपये का घोटाला किया और ऑडिट भी नहीं कराया।

अब थाईलैंड में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता

जयपुर टाइम्स

बैंकाक (एजेंसी)। थाईलैंड में अब समलैंगिक जोड़े विवाह कर सकते हैं। गुरुवार को थाईलैंड में समलैंगिक विवाह समानता कानून को मान्यता दे दी गई। जिसके बाद थाईलैंड ऐसा करने वाला दक्षिण पूर्व एशिया का पहला देश बन गया है। इसके अलावा, एशिया में ऐसा करने वाला नेपाल और ताइवान के बाद तीसरा देश बन गया है। इस कानून को मान्यता देने के बाद अब 18 साल से अधिक उम्र का कोई भी जोड़ा वहां विवाह कर सकता है। इसे स्लक्क्ष्क्त समुदाय के लिए एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। इस समुदाय ने समान विवाह अधिकारों की वकालत करते हुए एक दशक से अधिक समय की लड़ाई लड़ी है। थाईलैंड को छोड़कर दुनिया में अभी 33 ऐसे देश हैं, जहां समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी मिली हुई है। हालांकि, ज्यादातर देशों में अदालत के फैसले के बाद ही समलैंगिकों को ये अधिकार मिला। समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने वाला सबसे पहला देश नीदरलैंड बना।

अब थमेगी वाहनों की तेज गतिः गति मापने के लिए रडार उपकरण नियम अधिसूचित

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर लगाम कसने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने वाहनों की गति मापने के लिए रडार उपकरण नियम अधिसूचित किए हैं। ये नियम 1 जुलाई से लागू होंगे। नए नियमों के आने के बाद तेज रफ्तार गाड़ी चलाने वालों पर शिंकजा कसेगा। उपभोक्ता मामलों के विधिक माप विज्ञान प्रभाग ने विधिक माप विज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के अंतर्गत वाहनों की गति मापने के लिए रडार उपकरण के नियमों को अधिसूचित किया है। सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि नए नियम 1 जुलाई, 2025 से प्रभावी होंगे।

महिला व बाल विकास विभाग की आमुखीकरण कार्यशाला

महिलाओं और बच्चों का विकास देश प्रदेश को बनाएगा मजबूतः भजनलाल

महिलाओं और बच्चों के सशक्तीकरण पर जोर

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। बिड़ला ऑडिटोरियम में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित 'सशक्त नींव-उज्ज्वल भविष्य' थीम पर एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिलाओं और बच्चों के सशक्तीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाएं आधी आबादी हैं और बच्चे भविष्य की नींव। उनके विकास से ही देश और प्रदेश मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा को प्राथमिकता देती है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को 43 लाख बच्चों और महिलाओं तक पोषाहार पहुंचाने और मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के तहत बच्चों को गर्म दूध उपलब्ध कराने जैसे नवाचारों की जानकारी दी।

कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पर्यवेक्षकों और विभागीय अधिकारियों से संवाद करते हुए योजनाओं को पारदर्शिता और समर्पण से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भामाशाह, एनजीओ और सीएसआर भागीदारों के सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्रों की सुविधाएं बेहतर की जाएं।

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री ने महिला सुरक्षा और विकास के लिए वन स्टॉप सेंटर, सखी केंद्र, महिला हेल्पलाइन 181 और कालीबाई भील उड़ान योजना जैसी योजनाओं को पारदर्शिता से लागू करने पर बल दिया। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना से समाज में आए सकारात्मक बदलाव का भी जिक्र किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने धौलपुर में आईसीडीएस फील्ड कार्मिक प्रशिक्षण के लिए वर्चुअल स्किल लैब का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में विभागीय योजनाओं की पुस्तिका और पोस्टर का विमोचन भी हुआ।

कार्यशाला में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं और बच्चों के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने विभागीय कार्मिकों से योजनाओं के धरातल तक प्रभावी क्रियान्वयन का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने बाल विवाह रोकने और बेटी बचाने की शपथ भी दिलवाई।?

कृषि उपज मंडियों में 7 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों को सीएम भजनलाल ने दी मंजूरी

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय को दोगुना कर उनके जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न कृषि उपज मंडी समितियों में आधारभूत ढांचा विकसित करने के लिए 7 करोड़ 23 लाख रूपए से अधिक की लागत के नवीन निर्माण कार्यों व विद्युतीकरण संबंधी कार्यों को मंजूरी दी है। इनमें कृषि उपज मंडी समिति पीलीबंगा (हनुमानगढ़) के उप मंडी यार्ड जाखड़ावाली में नवीन निर्माण कार्यों के लिए 3 करोड़ 53 लाख रुपए, कृषि उपज मंडी जोधपुर (फ.स.) में नवीन सब्जी मंडी प्रांगण, भदवासिया में पुरानी सीवर लाइन परिवर्तन व कार्यालय भवन के विस्तार के लिए 2 करोड़ 16 लाख रुपए व विद्युत संबंधी कार्यों के लिए 11 लाख 85 हजार रूपए की मंजूरी दी है।

इसी तरह कृषि उपज मंडी, बीकानेर में मंडी प्रांगण में सर्विस कनेक्शन व स्ट्रीट लाइट कार्य के लिए 38 लाख 77 हजार रुपए व मिनी फूड पार्क के लिए आवंटित भूमि के चारो और वायर फेसिंग के लिए 52 लाख 80 हजार रूपए और कृषि उपज मंडी कोटा (अनाज) में नवीन कार्यों के लिए 50.09 लाख रूपए की स्वीकृति जारी की गई है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने कृषि विपणन विभाग की ओर से निर्मित सड़कों की मरम्मत व रखरखाव कार्यो संबंधी प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। जिसके बाद कृषि विपणन विभाग की ओर से निर्मित सम्पर्क सड़कों का मरम्मत व रखरखाव कार्य अब कृषि विपणन बोर्ड की ओर से करवाया जाएगा व इसके लिए मंडी समितियों की सकल बचत की 5 प्रतिशत राशि का उपयोग किया जा सकेगा।

एचएमपीवी वायरस का खतरा: दो मरीज एसएमइस में भर्ती

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कई देशों में खतरा बन चुके वायरस एचएमपीवी ने अब जयपुर में भी दस्तक दे दी है। जयपुर में गुरुवार को ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के दो मरीज आईसीयू में भर्ती हुए हैं।

सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर दीपक माहेश्वरी का इस मामले को लेकर कहना है कि देश में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में गुरुवार को एचएमपीवी के दो मामले सामने आए हैं। दोनों ही मरीजों को मेडिकल आईसीयू में भर्ती किया गया है। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर दीपक माहेश्वरी ने बताया कि एचएमपीवी के दो मामले सामने आए हैं। दोनों ही मरीजों को ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि, दोनों मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। गौरतलब है कि राजस्थान में इससे पहले दो बच्चों में इस वायरस के लक्षण देखने को मिले थे।लेकिन एडल्ट में एचएमपीवी के केस पहली बार सामने आए हैं।

सीएम भजनलाल का संवेदनशील निर्णय

राज्य के 5897 गांव अभावग्रस्त घोषित, किसानों को मिलेगा फायदा

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशील निर्णय लेते हुए खरीफ सीजन में बाढ़ व ओलावृष्टि से प्रभावित 21 जिलों के किसानों को एसडीआरएफ से कृषि आदान अनुदान वितरण करने की मंजूरी दी है। इसके लिए 20 जिलों के 33 प्रतिशत या उससे अधिक फसल खराबे वाले 5897 गांव अभावग्रस्त घोषित किए गए हैं। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से प्रभावित किसानों को बड़ा संबल मिलेगा। इस निर्णय के उपरान्त अब आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग द्वारा इस बारे में अधिसूचना जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने मानसून वर्ष 2024 (संवत् 2081) में बाढ़ और ओलावृष्टि से खरीफ फसलों के खराबे के आकलन के लिए गिरदावरी के निर्देश दिए थे और जिला कलक्टरों से प्राप्त की नियमित गिरदावरी रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। इन निर्णय के अनुसार प्रदेश के बून्दी जिले के 486, नागौर जिले के 67, धौलपुर जिले के 58, झालावाड़ जिले के 61, सवाई माधोपुर के 2, बारां के 1, अजमेर के 592, भरतपुर के 418, कोटा के 345, टोंक के 865, बीकानेर के 45, बांसवाड़ा के 817, बालोतरा के 10, फलौदी के 207, पाली के 155, हनुमानगढ़ के 49, डीग के 258, जोधपुर के 262, ब्यावर के 626, भीलवाड़ा के 564 व हनुमानगढ़ जिले के 9 गांवों को अभावग्रस्त घोषित किया गया है।

इन गांवों में खराबे से प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ नॉर्म्स के अनुसार कृषि आदान अनुदान वितरण किया जाएगा। साथ ही, श्रीगंगानगर के 2 गांवों में 33 प्रतिशत से अधिक फसल खराबे वाले व्यक्तिगत कृषकों को कृषि आदान अनुदान भुगतान वितरण की अनुमति प्रदान की गई है।

मनी लॉड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई, जयपुर- मुंबई में छापेमारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को टोरेस निवेश नामक एक धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छापेमारी की। इस मामले में कई निवेशक को कथित तौर पर ठगी का शिकार हुए थे। छापेमारी मुंबई और जयपुर के लगभग 10-12 स्थानों पर की गई। बता दें कि ईडी ने मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक आपराधिक शिकायत दर्ज की थी। अब तक 3,700 से अधिक निवेशकों ने मुंबई पुलिस से धोखाधड़ी की शिकायत की है, और धोखाधड़ी की कुल राशि 57 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है।

एमएलएम योजनाओं का इस्तेमाल कर ठगी का आरोप

टोरेस ब्रांड के स्वामित्व वाली एक आभूषण कंपनी पर पोंजी और मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) योजनाओं का इस्तेमाल करके निवेशकों से करोड़ों रुपये ठगने का आरोप है। यह घोटाला तब सामने आया जब इस महीने की शुरुआत में दादर (पश्चिम) में कंपनी के एक स्टोर पर सैकड़ों निवेशक इकट्ठा हुए, क्योंकि कंपनी ने उन्हें वादा की गई रकम देना बंद कर दिया था। पुलिस ने अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक उज्बेकिस्तान का नागरिक तजागुल ज़ासातोव, एक रूसी नागरिक वैलेंटिना गणेश कुमार, और सर्वेश सुर्वे शामिल हैं। ये सभी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी हैं।

निवेशकों को आकर्षित करने के लिए प्रलोभन

जांचकर्ताओं का कहना है कि कंपनी के प्रमोटरों ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कार, फ्लैट, गिफ्ट कार्ड और हैम्पर्स जैसे पुरस्कार देने का वादा किया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि पुलिस ने इस घोटाले में त्वरित कार्रवाई नहीं की, जिससे उन्होंने अपना कर्तव्य ठीक से नहीं निभाया। कोर्ट ने कहा कि कोई भी अधिकारी जल्द कार्रवाई करने के लिए तत्पर नहीं था।

धोखाधड़ी के मास्टरमाइंड की तालाश जारी

साथ ही मामले से जुड़े सूत्रों का मानना है कि अभी तक पुलिस और ईडी दोनों ही इस धोखाधड़ी के मास्टरमाइंड की तलाश कर रहे हैं, जिसने आभूषण कंपनी (प्लेटिनम हर्न) की शुरुआत की थी, जो टोरेस ब्रांड की मालिक है। यह फर्म वही जगह है, जहां से आरोपियों को शुरुआती फंड मिला था।

जिला परिवहन अधिकारी संजय शर्मा के ठिकानों पर छापे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में जयपुर में जिला परिवहन अधिकारी संजय शर्मा के ठिकानों पर छापे मारे। छापेमारी में अकूत संपत्ति का पता चल रहा है। एसीबी के अनुसार संजय शर्मा के घर, ऑफिस के अलावा रिश्तेदारों और वैशली नगर स्थित एक ज्वेलर के यहां यह कार्रवाई चल रही है। बताया जा रहा है कि संजय शर्मा ने कालेधन को सफेद करने के लिए ज्वेलर से सोना खरीदा गया है। इसलिए एसीबी की टीम इस ज्वेलर से भी पूछताछ कर रही है और इस खरीद से जुड़े रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में संजय शर्मा के ठिकानों से रियल एस्टेट में निवेश के दस्तावेज भी मिले हैं। एसीबी का कहना है कि यह जांच की जा रही है कि इनमें से कुछ दस्तावेज बेनामी भी हैं क्या। जानकारी के मुताबिक संजय शर्मा के तीन बच्चे हैं, जिनमें से दो बच्चे विदेश में हैं। एसीबी का कहना है कि उन्हें इस बात का इनपुट मिला है कि बच्चों की पढ़ाई पर विदेश में संयज शर्मा ने भारी भरकम पैसा खर्च किया है। इसके लिए बच्चों के पासपोर्ट की जांच भी की जा रही है कि वे कितनी बार विदेश गए। संजय शर्मा की एक बेटी ने हाल में कजाकिस्तान से एमबीबीएस किया है और बेटा यूएस में पीएचडी कर रहा है।

भारतीय सेना का मेला 25 को केंद्रीय विद्यालय में लगेगा

जयपुर टाइम्स

अलवर(कासं)। भारतीय सेना द्वारा 25 जनवरी शनिवार को सुबह 9 बजे से केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 स्टेडियम अलवर में अपनी सेना को जानो मेला आयोजित किया जाएगा। इसमें सैन्य उत्कृष्टता और संवादात्मक अनुभव का प्रदर्शन किया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य भारतीय सेना की भूमिका, जिम्मेदारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना और युवाओं को राष्ट्र की उत्कृष्ट सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है। यह आयोजन राष्ट्र की सेवा में बहादुर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान, अद्वितीय साहस और समर्पण को श्रद्धांजलि है।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024: आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने किया औचक निरीक्षण, सफाई व्यवस्था पर दिए सख्त निर्देश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के तहत नगर निगम ग्रेटर पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। इसी कड़ी में गुरुवार को नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने मानसरोवर और मालवीय नगर जोन की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। उनके साथ अतिरिक्त आयुक्त सीमा कुमार, जोन उपायुक्त और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने अपने दौरे की शुरुआत मोती डूंगरी रोड से की और रामबाग, नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड, करतारपुरा नाला, बरकत नगर, शिप्रा पथ, विजय पथ, मंगल मार्ग, और मध्यम मार्ग सहित कई स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान गंदगी और कचरे के ढेर मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तुरंत सफाई के निर्देश दिए। आयुक्त ने मार्गों पर अवैध पोस्टर-बैनर देखकर नाराजगी जताई और उन्हें तुरंत हटाने के आदेश दिए। साथ ही, टूटे हुए नालों के कवर को ठीक करने और अवैध थड़ी-ठेलों को हटाने के निर्देश भी दिए। घरों के बाहर पड़े निर्माण सामग्री कचरे (सीएनडी वेस्ट) पर जुर्माना लगाने और निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नैट की अनिवार्यता सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए। अतिरिक्त आयुक्त सीमा कुमार ने विद्याधर नगर और झोटवाड़ा जोन का निरीक्षण किया। उन्होंने हाजरीगाहों पर जाकर सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड चेक किया। निरीक्षण के दौरान कई सफाई कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। मानसरोवर जोन के वार्ड नं. 69 में 8 और वार्ड नं. 73 में 5 सफाई कर्मचारी बिना सूचना अनुपस्थित मिले, जिस पर अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इसी बीच पशु प्रबंधन शाखा ने मौके पर ही बेसहारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भिजवाया। उपायुक्त प्रियवृत्त सिंह चारण और अन्य अधिकारियों ने भी विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था को सुधारने के निर्देश दिए।आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने साफ संदेश दिया कि स्वच्छता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनुपस्थित कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई और जुर्माने की प्रक्रिया तेज की जाएगी।

आज होगा खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन शिविर का आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। जिले में खाद्य कारोबार करने वाले सभी व्यक्तियों को खाद्य लाइसेंस उपलब्ध कराने के लिए अग्रवाल धर्मशाला बस स्टैंड एवं सेटेलाइट हॉस्पिटल काला कुआं के सामने 24 जनवरी को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन शिविर आयोजित होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर एवं जिला कलक्टर के निर्देशन में जिले में शिविर लगाकर विभिन्न खाद्य कारोबारकर्ता जिसमें दूध विक्रेता, डेरी वाले, दवा विक्रेता, मिठाई विक्रेता, किराना सामान विक्रेता, चाट ठेले वाले, फल सब्जी विक्रेता, रेस्टोरेंट ढाबे वाले इत्यादि का खाद्य लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन मौके पर जारी किया जाएगा। साथ ही सभी व्यापारियों को खाद्य पदार्थों के रखरखाव के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि ऐसे खाद्य कारोबारकर्ता जिनका वार्षिक टर्नओवर 12 लाख रुपए से कम है, उनके लिए खाद्य पंजीयन के आवेदन का शुल्क 100 रूपये वार्षिक होगा। ऐसे छोटे खाद्य व्यापारी जो घूम कर अपना व्यापार करते हैं (जैसे दूधिया एवं ठेली वाले) को पंजीयन शुल्क की छूट देय होगी, इसके लिए वे अपना आधार कार्ड एवं एक फोटो साथ लावें।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर 10वीं एवं 12वीं कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं को किया जाएगा सम्मानित

जयपुर टाइम्स

अलवर(कासं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को दोपहर 1 बजे कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तर पर कक्षा 10वीं एवं 12वीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली 20 बालिकाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान जिला कलक्टर द्वारा बालिकाओं से संवाद कर भविष्य की योजनाओं एवं उनकी सफलताओं के लिये मार्गदर्शन दिया जाएगा।

कृषक उत्पादक संगठनों की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित

जिले में एफपीओ के माध्यम से प्याज प्रसंस्करण इकाई लगाकर 10 हजार किसानों को जोडने का दिया लक्ष्य

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में कृषक उत्पादक संगठनों की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने विभिन्न एफपीओ की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एफपीओ को कृषि प्रसंस्करण इकाई के रूप में सुगमता से कार्य करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि अलवर जिले में प्याज की फसल का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है और इससे 25 हजार से अधिक किसान जुडे हुए हैं।

उन्होंने निर्देश दिये कि जिले में प्याज प्रसंस्करण इकाई लगाने पर एफपीओ को संबंधित विभागीय अधिकारी पूर्ण सहयोग प्रदान करें। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रथम चरण में इस उक्त कार्य से जिले में 10 हजार किसानों को एफपीओ से जोडे। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले के किसानों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्रतानुसार लाभांवित करवाया जाए। बैठक में नाबार्ड के डीडीएम ने एफपीओ से संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की।

साथ ही उन्होंने जिले में संचालित एफपीओ को जिले के प्याज किसानों को जोडते हुए प्याज प्रसंस्करण इकाई लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि इसके लिए नाबार्ड द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। कृषक उत्पादक संगठन के नोडल अधिकारी एवं डीडीएम नाबार्ड प्रदीप चौधरी, लीड बैंक मैनेजर बाबूलाल पलरिया, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पीसी मीणा, उपनिदेशक बागवानी के.एल मीना, कृषि विज्ञान केंद्र से डॉ. सुभाष यादव, कृषि उपज मंडी के उपनिदेशक नरेश यादव, लुपिन फाउंडेशन के स्टेट हैड वेद प्रकाश शर्मा एवं जिले के एफपीओ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता से एग्रीस्टैक योजना से कृषि में होगी डिजिटल क्रांति की शुरूआत

फरवरी से फार्मर रजिस्ट्री प्रदेशभर में होगी शुरू

जयपुर टाइम्स

अलवर। किसानों के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिये प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा अनेक क्षेत्रों में नई पहल की जा रही है। इसी क्रम में एग्रीस्टैक किसान केन्द्रित समाधान उपलब्ध करवाने की दिशा में महत्वाकांक्षी पहल है, इससे कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की शुरूआत होगी। इसके अन्तर्गत किसानों की जानकारी का व्यापक डेटाबेस तैयार करते हुए प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी प्रदान की जाएगी। इससे किसानों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सुगमता एवं पारदर्शिता आएगी।राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर दिस बर में सीकर जिले से इस मिशन को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया था। आगामी फरवरी माह से इसे प्रदेशभर में शुरू किया जाएगा। इसके तहत चरणबद्ध रूप से ग्राम पंचायत स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री के लिए कै प लगाए जाएंगे। सभी किसानों को एग्रीस्टैक कृषि से जोड़ा जायेगा, ताकि कोई भी अन्नदाता सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहें।

एग्री स्टैक का उद्देश्य किसानों के लिए सस्ता ऋण, उच्च गुणवत्ता वाले कृषि इनपुट, स्थानीयकृत और विशिष्ट सलाह और बाजारों तक अधिक सूचित और सुविधाजनक पहुंच प्राप्त करना आसान बनाना है। एग्री स्टैक का उद्देश्य सरकारों के लिए विभिन्न किसान और कृषि-केंद्रित लाभ योजनाओं की योजना बनाना और उन्हें लागू करना आसान बनाना है।

उल्लेखनीय है कि एग्रीस्टैक कृषि से संबंधित डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराने की केन्द्र सरकार की परियोजना है। इसके अंतर्गत डिजिटल रूप में क्रॉप सर्वे, फार्मर रजिस्ट्री एवं भू-संदर्भित नक्शे का डेटाबेस निर्माण कर प्रत्येक किसान को विशिष्ट आईडी प्रदान की जाएगी। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर डेटा तैयार करने से लेकर पीएम किसान सम्मान निधि में ऑटोमेशन, किसान क्रेडिट कार्ड योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं तक किसानों की पहुंच आसान हो सकेगी।

विद्यालयों में मनाया वार्षिक उत्सव समारोह

विधायक वार्षिक उत्सव कार्यक्रमों में हुए शामिल

जयपुर टाइम्स

रामगढ़(निसं)। गोविन्दगढ़ कस्बे के समीप ग्राम घाट, निजाम नगर, मालपुर एवं चौमा के विद्यालयों में वार्षिक उत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन सभी वार्षिक स्कूलों के कार्यक्रमों में रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में तथा पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि गोपाल चौधरी शामिल हुए। सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य ने विधायक का गर्म जोशी से स्वागत किया। इन वार्षिक उत्सव के कार्यक्रमों में सभी विद्यालयों में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुए। तथा विद्यालय के छोटे बच्चों ने भी आकर्षक प्रस्तुति पेश की तथा संस्कृति कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह ने ग्रामीणों की और से स्कूलों की चार दिवारी, कमरे, पीने के पानी सहित अन्य उन सभी मांगो को प्राथमिकता देते हुए कहा कि अलवर सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का बड़ा स्वप्ना हे और इन सभी कार्यो को सम्पन्न करवाया जाएगा और कोशिश रहेगी कि अगला वार्षिक उत्सव इन सभी कार्यो के पूरा करने के साथ ही मनाया जाए। इन सभी कार्यक्रमों में स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

खाद्य लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन कैंप में 38 लाइसेंस किये जारी

जयपुर टाइम्स

खैरथल(निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा खाद्य लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट के निर्देशन में दिनांक 23 जनवरी 2025 को आरके कंस्ट्रक्शन ऑफिस ततारपुर चौराहा पर रजिस्ट्रेशन कैंप लगाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि जिसमें कुल 38 आवेदन आए मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तुरंत आए आवेदन को स्वीकार कर लाइसेंस जारी किया। आवेदन करने वालों में दूध विक्रेता सब्जी विक्रेता रेस्टोरेंट में ढाबे वाले किराना स्टोर वाले चार्ट ठेले वाले थे। मौके पर खाद्य कारोबार करता को साफ सफाई एवं एफएसएसएआई 2006 के नियम करने के निर्देश दिए गए। खाद्य लाइसेंस कैंप में महिपाल सिंह, राजकुमार चौधरी, सुभाष यादव , विकास गुप्ता मौजूद रहे।

सी.के. बिरला हॉस्पीटल जयपुर ने यातायात पुलिस भरतपुर के सहयोग से बॉटे 100 हेलमेट

जयपुर टाइम्स

अलवर भरतपुर(कासं)। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा, अति. पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सतीश कुमार, अनुतोष गुप्ता सचिव जिला विधिक प्राधिकरण, अपर जिला सैशन न्यायाधीश भरतपुर, पुलिस उप अधीक्षक यातायात नरेन्द्र कुमार, अजय सिंह पु.नि. प्रभारी यातायात शाखा भरतपुर, संजीव जाजोरिया (मैनेजर सी.के. बिरला हॉस्पीटल जयपुर), आशीष शर्मा द्वारा सी.के. बिरला हॉस्पीटल के सौजन्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह थीम परवाह के अन्तर्गत जरूरत मंद लोगो को 100 हेलमेट निःशुल्क वितरित किये गये जिनमे से यातायात कार्यालय के सामने 100 हेलमेट दुपहिया वाहन चालको को हेलमेट की आवश्यकता बताते हुये वितरित किये गये व भविष्य में मोटर साईकिल चलाते समय हेलमेट लगाकर चलने की हिदायत कर यातायात नियमो की पालना हेतु समझाईश की गई।

रूक्मणि रियाड़ के निर्देश पर गेमिंग जोन का निरीक्षण, अग्निशमन सुरक्षा पर विशेष ध्यान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। नगर निगम ग्रेटर की आयुक्त रूक्मणि रियाड़ के निर्देशानुसार जयपुर नगर निगम ग्रेटर क्षेत्र में संचालित गेमिंग जोन का अग्निशमन सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौत्तमलाल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें

गेमिंग जोन में अग्निशमन उपकरणों की स्थिति का आकलन किया गया।

निरीक्षण में पाया गया कि मानसरोवर क्षेत्र में स्थित लेट्स गेमिंग जोन,पानबर्ग गेमिंग जोन, और जंपिंग नेशन गेमिंग जोन में अग्निशमन उपकरण सही और कार्यशील अवस्था में हैं। इसी प्रकार झोटवाड़ा पुलिया के पास ट्राईटन मॉल के तृतीय तल पर स्थित गेमिंग जोन और वैशाली नगर के वी आर थीम पार्क÷ में भी अग्निशमन उपकरण सही स्थिति में पाए गए। हालांकि, झोटवाड़ा 200 फीट रोड पर स्थित पुनो गेमिंग जोन में अग्निशमन उपकरण (फायर पंप) कार्यशील अवस्था में नहीं पाए गए। इसे लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। मालवीय नगर के जी.टी. मॉल, डब्ल्यू.टी.पी. जोरेकों गेमिंग जोन, और सेलिब्रेशन बॉय हाउस ऑफ प्ले गेमिंग जोन में अग्निशमन उपकरण सही और कार्यशील स्थिति में पाए गए। जगतपुरा क्षेत्र में संचालित÷होप होप गेमिंग जोन में भी अग्निशमन सुरक्षा के मानकों का पालन सही रूप से किया गया है। आयुक्त रूक्मणि रियाड़ ने कहा कि गेमिंग जोन में आग लगने की किसी भी स्थिति से बचाव के लिए सुरक्षा उपकरणों को कार्यशील रखना अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान जो खामियां पाई गई, उन्हें शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम का यह कदम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

जेडीए भूखंडों की निर्माण अवधि में छूट, पुनर्ग्रहण शुल्क के साथ आवंटन बहाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार ने जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) योजनाओं में भूखंडों की निर्माण अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब पुनर्ग्रहण शुल्क जमा कर भूखंडों का आवंटन बहाल किया जाएगा। इस कदम से हजारों भूखंडधारकों को राहत मिलेगी। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि जेडीए की आवासीय योजनाओं में राजस्थान नगर सुधार न्यास नियम 1974 के तहत भवन निर्माण की समय सीमा निर्धारित की गई है। निर्माण न होने पर भूखंड आवंटन स्वतः निरस्त हो जाता है। इस संबंध में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग ने पुनर्ग्रहण शुल्क लेकर भूखंडों की बहाली की अनुमति प्रदान की है।

आमजन को राहत, निर्माण अवधि 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ी

पूर्व में प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 के तहत पुनर्ग्रहण शुल्क में छूट दी गई थी, लेकिन यह अवधि 31 मार्च 2024 को समाप्त हो गई थी। आमजन के निवेदन पर जेडीए ने विभाग से निर्माण अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया। इसके बाद जारी आदेशों के तहत अब पुनर्ग्रहण शुल्क की गणना 31 दिसंबर 2024 तक की जाएगी और निर्माण अवधि 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ा दी गई है।

नहीं खोले जाएंगे पुराने प्रकरण

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि पहले से निस्तारित प्रकरणों को पुनः नहीं खोला जाएगा और जमा राशि वापस नहीं की जाएगी।

पट्टों और नाम हस्तांतरण का कार्य जारी

पुनर्ग्रहण राशि जमा कर भूखंडों की बहाली के साथ जेडीए आमजन को पट्टों और नाम हस्तांतरण की सुविधा लगातार प्रदान कर रहा है। इस निर्णय से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण संभव होगा और हजारों लोग लाभान्वित होंगे। जेडीए द्वारा पुनर्ग्रहण राशि ली जाकर भूखण्डों की बहाली करते हुए आमजन को छूट प्रदान कर निरंतर रूप से पट्टे एवं नाम हस्तांतरण किये जा रहे है।

गुर्जर अधिकारी कर्मचारी कल्याण परिषद का जयपुर में बनेगा भव्य भवन, ढाई करोड़ रुपए का मिला सहयोग

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद (जीकेप) के भवन का भूमि पूजन व भामाशाह सम्मान समारोह मेट्रो एन्क्लेव मानसरोवर बी-2 बाईपास जयपुर में सम्पन्न हुआ।

प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री सचिन पायलट रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्णपाल गुर्जर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में गोरधन भाई झड़पिया पूर्व गृह राज्य मंत्री गुजरात, अनंतराम तंवर, सतीश पटेल रहे। इस मौके पर पायलट ने समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। जीकेप भवन के कार्य मे पारदर्शिता की तारीफ की ओर इस तरह से शिक्षा किए जाने वाले कार्यों हर सम्भव सहयोग के लिए आश्वस्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने 21 लाख रुपये का योगदान दिया। गोरधन भाई झड़पिया ने सरदार धाम गुजरात से हरसंभव सहयोग की बात की। राष्ट्रीय गुर्जर समिति के अध्यक्ष अनंतराम तंवर ने जीकेप की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए भवन निर्माण के लिए 1 लाख रु का सहयोग किया। इस मौके पर समाजसेवी सीताराम पोसवाल की ओर से

31 लाख के सहयोग की घोषणा की। पूर्व जिलाप्रमुख अजीत सिंह महवा ने 10 गांवों से जीकेप भवन में 10 कमरे निर्माण की प्रतिबद्धता जाहिर की और उनकी माँ की ओर से एक कमरा निर्माण की राशि भेंट की। पाली निवासी महाराष्ट्र से पधारे उद्योगपति नानाजी भाई की ओर से भी 4 लाख 61 की राशि प्रदान की। कोषाध्यक्ष जगदीश चेची ने बताया कि इस प्रकार इस समारोह में जीकेप सांस्थानिक भवन के लिए कुल 2 करोड़ 30 लाख रुपये की सहयोग राशि जुटाई।

बहुद्देश्यीय भवन की ये रहेगी विशेषता

इस सांस्थानिक भवन में गुर्जर समाज के बच्चों को रहने की व्यवस्था के साथ लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस हॉल, कोचिंग हॉल, ऑनलाइन क्लासेज के लिए स्टूडियो, गुर्जर संस्कृति केंद्र, एक्सपर्ट के माध्यम से उच्च प्रशासनिक जैसे यूपीएससी, आरएएस, सेना, न्यायिक सेवा के पदों के लिए कोचिंग व इंटरव्यू, संस्था का प्रशासनिक खंड आदि की व्यवस्था रहेगी। पूर्व मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह, हेमसिंह भड़ाना, आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला, विधायक सुरेश गुर्जर, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, धीरज गुर्जर, नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ सौम्या गुर्जर, पूर्व सभापति राजाराम गुर्जर, सभापति धनराज गुर्जर सहित दर्जनों अतिथियों ने सभा को संबोधित किया। इस प्रकार संस्था की कार्यकारिणी, भामाशाहों व समाज बंधुओं ने हजारों की संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाया। स्वागत भाषण संस्थापक रामफूल गुर्जर ने दिया व मंच का संचालन डॉ रूपसिंह महासचिव हंसराज गुर्जर व अतरसिंह छावड़ी ने किया।

संस्था के मार्गदर्शक प्रो पी एस वर्मा ने पधारे हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए समापन की घोषणा की। यह जानकारी प्रवक्ता रामेश्वर गुर्जर ने दी।

ट्रांसपोर्ट नगर के आवंटी ब्याज एवं पेनल्टी में छूट का ले लाभ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा नगरीय विकास विभाग के आदेशों की अनुपालना में ट्रांसपोर्ट नगर के आवंटियों से प्रथम किस्त दिनांक 31.03.2025 तक जमा करवाकर ब्याज एवं पैनल्टी में छूट प्रदान की गई है। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर में आवंटियों को चार त्रैमासिक किस्तों में ब्याज एवं पैनल्टी में छूट के साथ राशि जमा करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह छूट प्रथम किस्त दिनांक 31.03.2025 तक जमा की शर्त पर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि जयपुर में ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारियों द्वारा आवंटन पत्र जारी करने एवं बिना ब्याज व शास्ति की राशि जमा कराने हेतु बार-बार जेडीसी से निवेदन किया गया। इस संबंध में प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास विभाग द्वारा एक माह में प्रकरण के निस्तारण करने के निर्देशों के फलस्वरूप दिनांक 31.03.2025 तक जमा करवाये जाने पर ब्याज व पेनल्टी की छूट प्रदान करने के आदेश जारी किये गये है।

जेडीए की ट्रांसपोर्ट नगर के आवंटियों से अपील है कि प्रथम किस्त दिनांक 31.03.2025 तक जमा करवाकर इस ब्याज एवं पैनल्टी में छूट का लाभ ले।

जिला कलक्टर ने वाहन चालकों को यातायात नियमों के बारे में किया जागरूक

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं)। जिला प्रशासन, नेहरू युवा केंद्र, युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा सप्ताह का समापन गुरूवार को जिला कलक्टर शुभम चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता द्वारा किया गया।

इस दौरान जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने रणथम्भौर सर्किल पर सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जाता है। उन्होंने वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए हेलमेट पहनने, सीट

बेल्ट लगाने एवं वाहनों में क्षमता से अधिक सवारी न बैठाने की बात कहीं। इस दौरान उन्होंने सड़क सुरक्षा में सेवा दे रहें स्वयंसेवकों को टी शर्ट एवं केप वितरित की। इस दौरान युवा स्वयंसेवक रजत भारद्वाज, हेड कांस्टेबल मीठालाल मीणा, अनुसूइया शर्मा नेहरू युवा केंद्र के गजेंद्र मीणा मनोज महावर, नरेंद्र प्रजापत, सोराम, पम्मी शर्मा आदि मौजूद रहे।

चौमू व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का भव्य स्वागत

व्यापारियों की हर समस्या का समाधान करना प्राथमिकता - अध्यक्ष सैनी

जयपुर टाइम्स

चौमू(निसं)। जनरल फैंसी फुटवियर एवं स्टेशनरी व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का चौमू के व्यापारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। नया बाजार सुभाष मार्केट और रावण गेट के व्यापारियों ने अध्यक्ष पवन सैनी, उपाध्यक्ष अशोक सिंगोदिया, कैलाश सामरवाल, महामंत्री सागर गोरा, संगठन सचिव कालूराम सैनी, नरेंद्र यादव, संरक्षक मोहनलाल सैनी और प्रवक्ता रामबाबू सैनी को माल्यार्पण कर राजस्थानी परंपरा अनुसार चुनरी के साफे पहनाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष पवन सैनी ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा, ÷आप सभी का यह सम्मान मेरे लिए सर्वोपरि है। चुनरी के साफे की लाज मैं हर परिस्थिति में बनाए रखूंगा। व्यापारियों की समस्याओं को हल करने के

लिए हर संभव प्रयास करूंगा।

सैनी ने ग्राहकों और व्यापारियों के बीच होने वाले विवादों को सुलझाने और व्यापार को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। गौरतलब है कि व्यापार मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन हाल ही में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन किया गया था। इसके बाद अध्यक्ष सैनी ने अपनी पूरी टीम को राम दरबार में शपथ दिलवाई। इस नई कार्यकारिणी से व्यापारियों को कई उम्मीदें हैं।

व्यापारियों ने किया आभार व्यक्त

कार्यक्रम में व्यापारियों ने व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से नई योजनाओं और समस्याओं के समाधान के प्रति सक्रियता दिखाने की उम्मीद जताई।

वासुदेव देवनानी की पहल पर विधान सभा में होगी दो दिवसीय युवा संसद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर 24 जनवरी से राजस्थान विधानसभा में दो दिवसीय युवा संसद का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार सुबह 10 बजे देवनानी दीप प्रज्ज्वलित कर युवा संसद का शुभारंभ करेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें विधान सभा की कार्यप्रणाली से परिचित कराना है। युवा संसद में देश के 162 विश्वविद्यालयों से चयनित 220 युवा प्रतिभागी राष्ट्रीय पर्यावरण विधेयक पर चर्चा करेंगे। देवनानी ने कहा कि यह आयोजन भावी पीढ़ी को शाश्वत विकास और पर्यावरणीय स्थिति से अवगत कराने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि यह पहल युवाओं को भारत की 2050 जलवायु प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने की दिशा में योगदान के लिए प्रेरित करेगी। प्रतिभागियों के चयन के लिए स्टूडेंट्स फॉर डवलपमेंट ने देशभर में तीन चरणों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। पहले चरण में 45,600 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें से क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं के जरिए 220 प्रतिभागियों का चयन किया गया। ये प्रतिभागी राजस्थान विधानसभा के सदन में बैठकर राष्ट्रीय पर्यावरण पर चर्चा करेंगे। देवनानी ने कहा कि युवा संसद से युवाओं को न केवल राजनीति की बारीकियों को समझने का मौका मिलेगा, बल्कि यह आयोजन उन्हें अपने विचार प्रस्तुत करने और नीति निर्माण में भूमिका निभाने का भी अवसर देगा। इस आयोजन को राजस्थान विधान सभा में राष्ट्र मंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इसे विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के सचिव संदीप शर्मा संबोधित करेंगे।

सत्र की विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श हेतु समीक्षा बैठक

सोलहवीं विधान सभा के तृतीय सत्र के लिये सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

वाहनों का प्रवेश विधान सभा के द्वार संख्या 7 से और निकास द्वार संख्या 6 से

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का तृतीय सत्र शुक्रवार 31 जनवरी से आरंभ होगा। विधान सभा सचिवालय ने सत्र के संबंध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली है। सत्र के दौरान विधानसभा की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था भी कर ली गयी है। विधान सभा के तृतीय सत्र के लिए तैयारी चल रही है। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर गुरुवार को विधान सभा प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने सत्र से संबंधित की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिये विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। अधिकारियों ने विभागों द्वारा किये जाने वाले कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।राजस्थान विधान सभा के तृतीय सत्र में विधान सभा परिसर में वाहनों का प्रवेश द्वार संख्या 7 से होगा और वाहनों का विधान सभा से निकास द्वार संख्या 6 से होगा। वाहनों की पार्किंग निर्धारित पार्किंग स्थलों पर हो सकेगी। परिसर में वही वाहन प्रवेश कर सकेंगे, जिन पर तृतीय सत्र का सत्रकालीन वाहन प्रवेश पत्र लगा होगा।

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूक्मणी रियाड के निर्देशन में सतर्कता शाखा की कार्यवाही, 8 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूक्मणी रियाड के निर्देशानुसार गुरुवार को सतर्कता शाखा की टीम ने अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए व्यापक अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा ने किया।

कार्यवाही के तहत नगर निगम ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में 22 गोदाम पुलिया से डीएलबी के रास्ते, सेन्ट्रल पार्क के चारों तरफ (गेट नंबर 1, 2, 3, 4, 5), गोपालपुरा पुलिया से त्रिवेणी पुलिया तक और 10-बी स्कीम डी ब्लॉक मालवीय नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान सतर्कता टीम ने 8 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम भिजवाया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अवैध अतिक्रमण पर रोक लगाना और आमजन के लिए सुविधाजनक रास्ता सुनिश्चित करना है। कार्यवाही के दौरान टीम ने मौके पर ही समझाइश देते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में अतिक्रमण करने पर भारी जुर्माना या प्रभावी कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

आयुक्त रूक्मणी रियाड ने कहा कि नगर निगम ग्रेटर जयपुर के सभी क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए सतर्कता शाखा द्वारा नियमित अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने आम नागरिकों से सहयोग की अपील की और कहा कि शहर की सुंदरता और सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी को योगदान देना चाहिए।

यह अभियान नगर निगम ग्रेटर के प्रतिबद्धता का परिचायक है, जो जयपुर को साफ-सुथरा और व्यवस्थित शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

संपादकीय .....

दिल्ली में मुफ्त चुनावी उपहारों के शोर में असल मुद्दे दब कर रह गये हैं

अक्सर आपने देखा होगा कि किसी राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक और सामाजिक समीकरण हावी हो जाते हैं लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में हालात एकदम अलग हैं। विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में राजनीतिक चर्चा में ''मुफ्त उपहारों'' की चर्चा हावी है जिससे प्रदूषण, कानून व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ अपराध और बुनियादी ढांचा सहित अन्य प्रमुख मुद्दे पीछे रह गए हैं। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और महिलाओं के लिए निःशुल्क सार्वजनिक परिवहन पहल पर जोर देते हुए ''रेवड़ी पर चर्चा'' जैसे अभियानों का नेतृत्व कर रही है। इसने नयी योजनाओं की भी घोषणा की है, जिनमें महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये देने के वादे के साथ मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और बुजुर्गों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल संबंधी संजीवनी योजना शामिल है।

कांग्रेस ने जवाब में 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की है जिसके तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने की बात कही गई है। इसने 25 लाख रुपये तक की बीमा कवरेज का वादा करते हुए 'जीवन रक्षा योजना' की घोषणा भी की है। वहीं भाजपा ने भी अपने संकल्प पत्र के दो चरण अब तक जारी किये हैं जिनमें हर वर्ग के लिए योजनाओं की भरमार है। देखा जाये तो इन मुफ्त योजनाओं को एक बार 'मुफ्त की रेवड़ी' करार देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी दिल्ली के लोगों को आश्वस्त करना पड़ा है कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो इस तरह की योजनाएं जारी रखी जाएंगी।

इस बीच, मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहारों की घोषणाओं के चलते दिल्ली में वायु प्रदूषण जैसा महत्वपूर्ण मुद्दा गौण हो गया है। हालांकि राजधानी के ज्यादातर निवासियों ने गंभीर स्वास्थ्य खतरा बने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस कार्य योजनाओं की कमी पर चिंता जताई है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पिछले साल नवंबर में 490 के अंक को पार कर गया, जो ''अत्यंत गंभीर'' श्रेणी में आता है। जहरीली हवा के कारण अनेक लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, यमुना नदी में अमोनिया के उच्च स्तर के कारण पूरे शहर में पानी की कमी भी देखी गई क्योंकि जलशोधन संयंत्र पानी का शोधन करने में असमर्थ थे। यही नहीं, खराब जल निकासी के चलते दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में तीन यूपीएससी अभ्यर्थियों की डूबने से मौत को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में आक्रोश देखा गया था। बहरहाल, देखा जाये तो मुफ्तखोरी की संस्कृति को बढ़ावा देने की वजह से शासन एवं नीति-निर्माण पंगु हो गये हैं। अपने अब तक के कार्यकाल में आम आदमी पार्टी की सरकार ने रोजगार सृजन और संविदा कर्मचारियों के लिए समाधान खोजने जैसे अन्य प्रमुख मुद्दों की अनदेखी की है।

नक्सलियों के खिलाफ चल रही निर्णायक मुहिम के मिलने लगे हैं बेहतर नतीजे

आमतौर पर नक्सली, आतंकवादी और अंडरवर्ल्ड के मास्टरमाइंड अपने पूरे जमात के साथ भारतीय गणतंत्र के लिए चुनौती समझे जाते हैं। इसलिए सुरक्षाबलों ने 76वें गणतंत्र दिवस से महज कुछ दिन पहले नक्सलियों के खिलाफ जो निर्णायक कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय ऑपरेशन चलाए हैं और एक दर्जन से ज्यादा नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है, वह तिरंगे और संवैधानिक गणतांत्रिक व्यवस्था को सच्ची सलामी है। इसलिए देशवासियों की अपेक्षा है कि सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई और अधिक तेज होनी चाहिए, क्योंकि ऐसा करके ही हम उनके नापाक हौसले को तोड़ सकते हैं।

देखा जाए तो चाहे अंतर्राष्ट्रीय थल या समुद्री सीमा से सटे प्रदेश हों या हमारे आंतरिक प्रदेश, यहां पर नक्सलियों, आतंकवादियों और अंडरवर्ल्ड सरगनाओं की मौजूदगी और उनके मार्फ़त जब-तब होते रहने वाली हिंसात्मक घटनाएं एक ओर जहां शासन व्यवस्था और अमनपसंद लोगों को मुंह चिढ़ाती हैं, वहीं दूसरी ओर धनी लोगों के भयादोहन का कारण भी बनती हैं। चूंकि अवैध मानव व वस्तु तस्करी, ड्रग्स सिंडिकेट, अवैध हथियारों के कारोबार, फिरौती, विवादास्पद सम्पत्तियों की खरीद-फरोख्त आदि से इनके तार जुड़े होते हैं, इसलिए सफेदपोश नेताओं-समाजसेवियों-कथित अधिकारियों-उद्योगपतियों आदि के माध्यम से इनके सरगना भी परस्पर मिले हुए होते हैं।

आम धारणा रही है कि इनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई इसलिए भी नहीं हो पाती है, क्योंकि क्षेत्रीय दलों और स्थानीय नेताओं से इनकी गुप्त सांठगांठ रहती है! और यही इनके तार कथित राष्ट्रीय नेताओं और अर्बन नक्सलियों-अपराधियों-आतंकवादियों के सिंडिकेट तक से जोड़ते हैं। यही वजह है कि प्रशासन भी सियासी कारणों के चलते इनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई नहीं कर पाता है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, पंजाब से लेकर उत्तर-पूर्वी राज्यों की आतंकी घटनाएं हों, या झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र व बिहार की नक्सली घटनाएं, या फिर बड़े महानगरों से लेकर जिलास्तरीय शहरों की अंडरवर्ल्ड वारदातें, इनके तार परस्पर जुड़े बताए जाते हैं।

कहना न होगा कि इनमें से कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की मजबूती के पीछे भी इनकी राष्ट्रविरोधी सोच होती हैं, जिन्हें बरास्ता नेपाल, पाकिस्तान व चीन का भी संरक्षण हासिल होता है।

अमित शाह

वहीं, कांग्रेस समेत कई बड़े क्षेत्रीय दल भी इनके नेक्सस के समक्ष घुटने टेक चुके हैं। जबकि इन सभी बातों से उलट केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रवादी भाजपा नीत एनडीए की सरकार और उड़ीसा-छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की भाजपा प्रदेश सरकारों की संगठित अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति से प्रोत्साहित होकर सुरक्षा बलों ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त रणनीति बनाकर नक्सलियों-दुर्दांत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का जो बीड़ा उठाया है, उसकी एक झलक ताजा कार्रवाई से मिलती है।

गौरतलब है कि भारत में नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियान को एक और बड़ी सफलता तब मिली, जब गत दिनों ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (छ्त्रक्ष्र), छत्तीसगढ़ के एसओजी (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप) और ओडिशा पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान 14 नक्सलियों को मार गिराया गया। इस कार्रवाई में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की ओर से की गई त्वरित और रणनीतिक कार्रवाई को एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इस ऑपरेशन में बड़ी संख्या में हथियार और बाकी सामग्री भी बरामद की गई जो नक्सली गतिविधियों को और बढ़ावा दे रही थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा बलों के इस संयुक्त ऑपरेशन में नक्सल आंदोलन का एक प्रमुख सरगना, जयराम चलपती को ढेर किया गया। क्योंकि जयराम को नक्सली हिडमा का गुरु माना जाता था और नक्सली गतिविधियों में उसकी अहम भूमिका थी। जयराम पर 1 करोड़ रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। क्योंकि सुरक्षा एजेंसियों के लिए जयराम की तलाश एक बड़ी चुनौती थी। ऐसा इसलिए कि वह नक्सलवादी समूहों के लिए एक अहम रणनीतिक सोच के रूप में काम करता था। उसकी मृत्यु से न केवल छत्तीसगढ़ और ओडिशा बल्कि पूरे देश में नक्सलवादी आंदोलन को एक बड़ा झटका लगा है। बताया जाता है कि इस ऑपरेशन को सफल बनाने में छत्तीसगढ़, ओडिशा और तेलंगाना की राज्य सरकारों ने अहम भूमिका निभाई है। इन तीनों राज्यों की पुलिस और सुरक्षा बलों ने मिलकर जयराम और उसके साथी नक्सलियों के खिलाफ लंबे समय से सख्त अभियान चलाया था। यही वजह है कि गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्वीट कर इस सफलता पर बधाई दी और सुरक्षा बलों की कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये नक्सल मुक्त भारत के लक्ष्य की दिशा में एक और अहम कदम है।

बता दें कि भारत सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि देश को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त किया जाए। ये ऑपरेशन उस दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है जो सुरक्षा बलों और सरकार के प्रयासों से नक्सलवाद के खात्मे की ओर बढ़ रहा है। समझा जा रहा है कि जयराम की मौत के बाद अब नक्सलियों के मनोबल को भारी झटका लगेगा और उन्हें पुनः अपनी ताकत को संगठित करना मुश्किल होगा। सुरक्षा बलों की ये सफलता न केवल एक बड़ी सैन्य जीत है बल्कि ये देश के नागरिकों के लिए एक संदेश भी है कि नक्सलवाद का खात्मा अब बिल्कुल नजदीक है।

बता दें कि एक साल पहले गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के रोडमैप को जो हरी झंडी दी थी, उसके तहत एनआईए ने नक्सलियों के खिलाफ कुल 96 मामलों की जांच कर रही है। उनकी राजनीतिक इच्छा शक्ति और सटीक रणनीति का ही यह तकाजा है कि हाल ही में 14 नक्सली एक मुठभेड़ में मारे गए हैं। उल्लेखनीय है कि एक साल पहले 21 जनवरी 2024 को गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रायपुर में छत्तीसगढ़ के शीर्ष नेतृत्व एवं सुरक्षा बलों के प्रमुखों के साथ बैठक की थी, जिसमें नक्सलवाद को खत्म करने के रोडमैप को हरी झंडी दी थी। वहीं, छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के विपरीत नवनियुक्त विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने इस रोडमैप को अमली जामा पहनाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित की, जिसका बेहतर नतीजा सबके सामने है।

गौरतलब है कि नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए बनाए गए अमित शाह के रोडमैप में तीन अहम बिंदू हैं। पहला, नक्सलियों के कोर इलाके में सुरक्षा बलों की अग्रिम चौकियां स्थापित कर सुरक्षा गैप को भरना, दूसरा, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून का इस्तेमाल कर ईडी की मदद से नक्सलियों को मिलने वाली फंडिंग के स्त्रोत को पूरी तरह से बंद करना, और तीसरा गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून का इस्तेमाल पर नक्सली गतिविधियों में शामिल आरोपियों के खिलाफ एनआईए की जांच कराकर कड़ा सजा सुनिश्चित करना। कहना न होगा कि तीनों ही फ्रंट में राज्य प्रशासन के सहयोग से बेहतरीन काम हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 2019 के बाद सुरक्षा बलों की 290 अग्रिम चौकियां स्थापित की गई, जिनमें अकेले साल 2024 में 58 अग्रिम चौकियां स्थापित करना शामिल हैं। वहीं, इस साल 2025 में सुरक्षा बलों की कुल 88 अग्रिम चौकियां स्थापित करने का लक्ष्य है। इसके अलावा, राज्य सरकारें, ईडी और एनआईए ने नक्सल फंडिंग से जुड़ी 72 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की है। वहीं, एनआईए ने नक्सलियों के खिलाफ कुल 96 मामलों की जांच कर रही है, जिनमें 56 मामले पिछले तीन साल में दर्ज किये गए। इनमें से 77 मामलों में चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है।

एक्सपर्ट बताते हैं कि कहने को अग्रिम सुरक्षा चौकियों का गठन छोटी बात लग सकती है, लेकिन नक्सलियों के खिलाफ अभियान में यह कारगर रणनीति साबित हो रही है।

- कमलेश पाण्डेय

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

समसामयिक

भारत के भविष्य को लेकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की दृष्टि

जब नेताजी सुभाषचंद्र बोस के विचारों को भारत के तात्कालीन समकक्ष राजनीतिक नेताओं ने स्वीकार नहीं किया तब नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने भारत के भविष्य को लेकर अपनी दूरदृष्टि को धरातल पर लाने के उद्देश्य से अपने कार्य को न केवल भारत बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों के बीच में फैलाने का प्रयास किया। उन्होंने इन देशों में निवासरत भारतीयों को एकत्रित कर उन्हें सैनिक प्रशिक्षण देना प्रारम्भ किया और इस कार्य में उन्हें अपार सफलता भी मिली क्योंकि 29 दिसम्बर 1943 को अंडमान द्वीप की राजधानी पोर्टब्लेयर में नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहरा दिया था। भारतीय इतिहास में भारत भूमि का यह हिस्सा प्रथम आजाद भूभाग माना जाता है। हालांकि, भारत को आजादी मिलने की घोषणा 15 अगस्त 1947 को हुई थी। नेताजी के रूप में लोकप्रिय सुभाष चंद्र बोस एक प्रखर राष्ट्रवादी, एक प्रभावी वक्ता, एक कुशल संगठनकर्ता, एक विद्रोही देशभक्त और भारतीय इतिहास के सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उन्हें ब्रिटिश सरकार के खिलाफ निर्णायक युद्ध लड़ने और 21 अक्तूबर 1943 को एक स्वतंत्र सरकार बनाने का श्रेय दिया जाता है। वर्ष 1927 में नेताजी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया और उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता के लिए कांग्रेस के साथ काम किया, लेकिन समय के साथ कांग्रेस में उपजी गुटबाजी और गांधी जी के साथ वैचारिक मतभेदों के कारण वह कांग्रेस से अलग हो गए और एक स्वतंत्र संगठन के माध्यम से ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध सशस्त्र स्वतंत्रता संग्राम लड़ा। नेताजी भारतीय इतिहास में अपने समय के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक थे। वह असीम देशभक्त और भारत के विकास और भविष्य के बारे में अत्यंत कृतसंकल्प थे। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को बंगाल प्रांत के कटक, उड़ीसा संभाग में प्रभावती दत्त बोस और अधिवक्ता जानकीनाथ बोस के एक बंगाली कायस्थ परिवार हुआ था। उनके प्रारंभिक प्रभावों में उनके हेडमास्टर, बेनी माधव दास और स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाएं शामिल थीं। बाद में 15 वर्षीय बोस में आध्यात्मिक चेतना जग गई थी।

नेताजी की विचारधारा और व्यक्तित्व के बारे में कई व्याख्याएं उपलब्ध हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का मानना है कि हिंदू आध्यात्मिकता ने उनके व्यस्क जीवन के दौरान उनके राजनीतिक और सामाजिक

विचारों का आवश्यक हिस्सा बनाया, हालांकि इसमें कट्टरता या रूढ़िवाद की भावना नहीं थी। खुद को समाजवादी कहने वाले नेताजी का मानना था कि भारत में समाजवाद का मूल स्वामी विवेकानंद के विचार है। आपका मानना था कि 'भगवदगीता' अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है। सार्वभौमिकता पर स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं, उनके राष्ट्रवादी विचारों और सामाजिक सेवा और सुधार पर उनके जोर ने नेताजी को उनके बहुत छोटे दिनों से प्रेरित किया था। इस संदर्भ में नेताजी के कई उद्धरण आज भी याद किए जाते हैं। ÷मात्र अडिग राष्ट्रवाद और पूर्ण न्याय और निष्पक्षता के आधार पर ही भारतीय स्वतंत्र सेना का निर्माण किया जा सकता है।÷; ÷यह अकेला रक्त है जो स्वतंत्रता की कीमत चुका सकता है। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा!÷; वर्ष 1939 की शुरुआत में उनके द्वारा गढ़ा गया नारा था - ÷ब्रिटेन की कठिनाई भारत का अवसर है।

नेताजी ने अपने प्रारम्भिक जीवनकाल से ही अपने चिंतन और अपनी कार्यशैली से भारत को स्वाधीन और सशक्त हिंदू राष्ट्र बनाने की दिशा मे कदम बढाया था। भविष्य दृष्टा और राजनीतिज्ञ होने के नाते नेताजी का विश्वास था कि राष्ट्र जागरण और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रियाओ को साथ लेकर ही आगे बढ़ना चाहिए। नेताजी की स्पष्ट सोच थी कि स्वतंत्र भारत, सार्वभौम संप्रभुता युक्त शक्तिशाली और विश्ववंद्य होना चाहिये तथा सदियो तक पुनःपरतंत्रता न आये, ऐसे प्रयास राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त होने के साथ ही प्रारम्भ होने चाहिए और इसीलिए भारत के नागरिकों में राष्ट्रीयता का भाव जगाना चाहिए।

स्वाधीन भारत की सुरक्षा के लिये नेताजी सेना के तीनो अंगों, थल सेना, जल सेना और नभ सेना का आधुनिक ढंग से निर्माण और विकास करना चाहते थे। जब वे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दूसरी बार जर्मनी गये थे तब नेताजी ने यूरोप के कई देशों का दौरा करके आधुनिक युद्ध प्रणाली का गहराई के साथ अध्ययन किया, इतना ही नही उन्होने जर्मनी मे युद्ध बंदियों और स्वतंत्र नागरिको की जो आजाद हिंद फौज बनाई, उसे पूर्ण रूप से आधुनिक अस्त्र-शस्त्रो से सुसज्जित किया और उसे इस प्रकार का प्रशिक्षण दिलाया कि वह संसार की सर्व शक्तिमान सेनाओं के समकक्ष मानी जाने लगी। आजाद हिंद फौज दुनिया के फौजी इतिहास का एक सफल अध्याय बन गया।

ब्रिटिश शासन काल मे भारत के तात्कालिक राजनैतिक नेतृत्व के पास भारत के आर्थिक विकास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक ताने बाने के सम्बंध में अपनी कोई दूरदृष्टि नहीं थी। येन केन प्रकारेण केवल राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करना एकमेव लक्ष्य था। ऐसे समय में भारत में देश का शासनतंत्र ब्रिटिशों के हाथों में था। अंग्रेजी शासकों की इच्छा अनुसार ही भारत में शासन चलता था। इसलिये, तत्कालीन ब्रिटिश शासकों की राजनीति की पृष्ठभूमि का उद्देश्य एक ही था कि भारत का अधिक से अधिक शोषण किया जाये एवं भारत की जनता को गुलाम बनाकर, अज्ञानता के अंधेरे मे रखकर, अधिक से अधिक समय तक अपना अधिकार जमाकर रखा जाए। ताकि, भारत सदा सदा के लिये गुलामी की जंजीरो मे जकडा रहे, स्वतंत्र होने का विचार भी न कर सके। परंतु, ऐसी मनोवृत्ती होने के उपरांत भी ब्रिटिशों को भारत से खदेड़ दिया गया। परंतु ब्रिटिश शासकों ने कूटनीतिक चाल चलते हुए भारत का विभाजन हिंदुस्तान एवं पाकिस्तान के रूप में कर दिया। पंडित जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना के हाथों मे राजनीति की डोर आ गई।

-प्रहलाद सबनानी

> नेताजी भारतीय इतिहास में अपने समय के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक थे। वह असीम देशभक्त और भारत के विकास और भविष्य के बारे में अत्यंत कृतसंकल्प थे। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को बंगाल प्रांत के कटक, उड़ीसा संभाग में प्रभावती दत्त बोस और अधिवक्ता जानकीनाथ बोस के एक बंगाली कायस्थ परिवार हुआ था। उनके प्रारंभिक प्रभावों में उनके हेडमास्टर, बेनी माधव दास और स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाएं शामिल थीं। बाद में 15 वर्षीय बोस में आध्यात्मिक चेतना जग गई थी।

शख्सियत

महाराष्ट्र में बोलती थी बाल ठाकरे की तूती, उनके इशारे पर चलती थी राज्य की सियासत

आज ही के दिन यानी की 23 जनवरी को बाल ठाकरे का जन्म हुआ था। लोग प्यार से उनको बाला साहेब ठाकरे कहकर बुलाते थे। वह अक्सर अपने बेबाक बयानों से सुर्खियां बटोरते थे। उन्होंने राज्य के लोगों और वहां की राजनीति को बखूबी समझते थे। महाराष्ट्र की राजनीतिक नब्ज को समझकर उन्होंने शिवसेना का गठन किया था। हालांकि बाल ठाकरे ने अपना करियर बतौर कार्टूनिस्ट शुरू किया था। बाल ठाकरे का पसंदीदा कार्टून पूर्व पीएम इंदिरा थीं। उन्होंने कई बार कटाक्ष के तौर पर पीएम इंदिरा गांधी का कार्टून बनाया था।

जन्म और परिवार

महाराष्ट्र के पुणे में 23 जनवरी 1926 को बाल ठाकरे का जन्म हुआ था। उनके पिता लेखक थे और वह मराठी भाषी लोगों के लिए अलग राज्य की मांग करने वाले आंदोलन संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के सक्रिय कार्यकर्ता भी थे। बाल ठाकरे क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर को बहुत पसंद करते थे। साथ ही उनका फिल्मी दुनिया से भी गहरा नाता था। बालासाहेब ठाकरे ने आपातकाल का समर्थन किया था।

कार्टूनिस्ट से बने किंग मेकर

बता दें कि बाला साहेब ठाकरे ने फेमस कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण के साथ काम किया था। यह कार्टून जापान के एक डेली न्यूज पेपर %द असाही शिंबुन% और द न्यूयॉर्क टाइम्स% के संडे एडिशन में भी छपा था। साल 1960 में बाला साहब राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय हो गए। इसके अलावा उन्होंने अपने भाई के साथ मार्मिक नाम से एक साप्ताहिक अखबार निकाला था। फिर साल 1966 में %मराठी माणुस% को उनका हक दिलाने के लिए शिवसेना पार्टी का गठन किया। लेकिन उन्होंने खुद कभी चुनाव नहीं लड़ा, हालांकि बालासाहेब ने किंग मेकर की भूमिका कई बार निभाई। वह हिंदूवादी नेता के तौर पर पूरे देश में जाने जाते थे। इसका उदाहरण बाबरी मस्जिद को गिराने के मामले में भी देखा गया था। जब अयोध्या में बाबरी ढांचा गिराया गया, तो इसकी जिम्मेदारी कोई नहीं ले रहा था। तब बाला साहेब ठाकरे खुलकर सामने आए और कहा कि शिवसैनिकों ने मस्जिद के ढांचे को गिराया है। फिर साल 1995 में शिवसेना और बीजेपी के साथ गठबंधन की सरकार बना।

वोट डालने पर लगा प्रतिबंध

नफरत और डर की राजनीति करने की वजह से चुनाव आयोग ने बालासाहेब ठाकरे पर वोट डालने के साथ ही चुनाव लड़ने पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। चुनाव आयोग द्वारा 28 जुलाई 1999 को ठाकरे को 6 साल तक चुनावों से दूर कर दिया था। फिर साल 2005 में यह प्रतिबंध हटने के बाद बाल ठाकरे वोट डाल सके थे।

गैर-मराठियों के खिलाफ आंदोलन

बाहर से आकर मुंबई बसने वाले लोगों पर बाल ठाकरे कटाक्ष करते थे और महाराष्ट्र को सिर्फ मराठियों का कहकर संबोधित किया करते थे। इसके साथ ही उन्होंने दक्षिण भारतीय लोगों के विरोध में भी कई भद्दे नारे दिए थे। दरअसल, बालासाहेब ठाकरे का विवादों से पुराना नाता था, उनके बयानों पर विवाद खड़ा हो जाता था।

मृत्यु

बता दें कि 17 नवंबर 2012 को बालासाहेब ठाकरे का निधन हो गया था। आप महाराष्ट्र और राजनीति में बालासाहेब ठाकरे के कद का अंदाजा इस बात से भी लगा सकते हैं कि उनकी अंतिम यात्रा में करीब 2 लाख से अधिक लोग शामिल हुए थे।

अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़ी है तेलुगु इंडस्ट्री

आर. माधवन की कितनी काबिल सितारों में होती है। उन्हें जितना प्यार साउथ इंडस्ट्री में मिलता है, हिंदी पट्टी में भी उनके उतने ही प्रशंसक हैं। हाल ही में आर माधवन हिंदी और साउथ में फिल्मों के निर्माण और बदलते परिदृश्य पर बात करते दिखे। उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ते कंटेंट बेस के मुकाबले तेलुगु और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री कहां हैं? साथ ही कहा कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री अपनी जड़ों से जुड़ी है।

एसएस राजामौली की फिल्मों का दिया उदाहरण

आर माधवन हाल ही में बातचीत के दौरान फिल्म इंडस्ट्री के बदलते परिदृश्य पर बात करते दिखे। फिर चाहें वह हिंदी हो, तेलुगु या मलयालम। एक्टर ने कहा कि बॉलीवुड बहुत ज्यादा विशिष्ट (ऐलीट) हो गया है, जबकि तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री अब भी अपनी जड़ों से जुड़ी है। उनस सिनेमा में परंपराओं की झलक दिखती है। इसके लिए मैडी ने एसएस राजामौली की हाई बजट फिल्मों का उदाहरण भी दिया।

तेलुगु फिल्मों में दिखाई देता है छोटे शहरों का इतिहास

आर माधवन ने कहा, अगर आप एसएस राजामौली और तेलुगु इंडस्ट्री की हाई बजट फिल्मों की तरफ देखें तो वे जमीन से जुड़ी नजर आएंगी। उनमें भारत के छोटे शहरों के इतिहास की झलक जरूर देखने को मिलेगी। वे बाहुबली, आरआरआर या पुष्पा जैसी फिल्में बनाने में बहुत पैसा लगाते हैं। फिर इन कहानियों को फिल्माने और उन्हें मजबूत बनाने में भी पूरी जान झोंक देते हैं।

इसके अलावा मैडी ने मलयालम इंडस्ट्री पर भी बात की, जो हाल के कुछ वर्षों में काफी आगे बढ़ी है। आर. माधवन का कहना है कि मॉलीवुड मुख्य रूप से कंटेंट और किरदारों जैसे पहलुओं पर फोकस करने में सक्षम रहा है। सीमित बजट फिल्मों में भी वह कमाल का प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा, मलयालम इंडस्ट्री अब बिना बड़े बजट फिल्मों के भी सिर्फ कंटेंट और किरदारों के दम पर दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। तेलुगु इंडस्ट्री में कभी-कभी बड़े बजट की फिल्म रिलीज होती है, जो पूरी तरह से फ्लॉप हो जाती है, जो एक वास्तविकता भी है। दरअसल, इंडस्ट्री एक कायापलट के दौर से गुजर रही है और जल्द ही नए कंटेंट और नवीनता के साथ दर्शकों को हैरान करेगी।

मन से चाह लो तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री अक्षरा सिंह खुद को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए जिम में खूब पसीना बहा रही हैं। इसकी झलक उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में दिखाई। अक्षरा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और अक्सर निजी और काम से जुड़े पोस्ट साझा करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर वर्कआउट की तस्वीरें साझा करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मन से चाह लो तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। चार तस्वीरों में से दो में अक्षरा जिम में पसीना बहाती हैं, तो दो में खुली छत पर एक्सरसाइज करती नजर आईं। भोजपुरी फिल्मों में कमाल के अभिनय के साथ अभिनेत्री बेहतरीन गायिका भी हैं। उन्होंने हाल ही में एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह महाकुंभ के महत्व को अपने गाने के साथ बताती नजर आईं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, हिमालय से आते मुनि रमाते संगम में धूनी। अक्षरा सिंह ने महाकुंभ के लिए एक खास गाना तैयार किया है। गाने की पहली झलक अभिनेत्री ने 16 जनवरी को सोशल मीडिया पर साझा की थी। लेटेस्ट वीडियो में अभिनेत्री 'महाकुंभ में डुबकी लगाओ' नाम के गाने को गाती भक्ति-भाव में डूबी नजर आईं। अक्षरा सिंह की हालिया रिलीज अक्षरा दुनिया भर में धूम मचा रही है। देशभक्ति से भरपूर भोजपुरी फिल्म वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुई है। फिल्म में अक्षरा के साथ अभिनेता अंशुमान मिश्रा मुख्य भूमिका में हैं। सत्यमेव जयते से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री अक्षरा सिंह फिल्म इंडस्ट्री को सत्या, सरकार राज, मां तुझे सलाम, धड़कन, तबादला, सत्य, प्रेम विवाह, साथिया, दिलेर, तबादला, सौगंध गंगा मैया के जैसी हिट फिल्में दे चुकी हैं। इसके साथ ही अक्षरा बिग बॉस ओटीटी समेत सर्विस वाली बहू, पोरस, काला टीका जैसे टीवी शो में भी काम कर चुकी हैं।

पंजाब में फिल्म के बैन पर छलका कंगना का दर्द

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी सिनेमाघरों में लगी है, जो देश में लगे आपातकाल की घटना पर आधारित है। यह फिल्म 17 जनवरी 2025 को रिलीज हुई। फिल्म देखकर लौट रहे दर्शक कंगना की अदाकारी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वहीं, क्रिटिक्स ने भी फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेत्री की यह फिल्म पंजाब में रिलीज नहीं हुई है। इस पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी है।

दिल में कुछ दर्द है

कंगना रनौत ने आज सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने फिल्म को मिल रहे प्यार के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही पंजाब में फिल्म को रिलीज नहीं किए जाने पर दुख भी जताया है। कंगना कहती दिखी हैं, दोस्तों मैं जी स्टूडियो और मणिकर्णिका और फिल्म के हर सदस्य की तरफ से आपका आभार व्यक्त करती हूं। आपने इतना प्यार और इज्जत दी, उसके लिए मेरे पास शब्द ही नहीं हैं, लेकिन मेरे दिल में अभी भी कुछ दर्द है।

फिल्म देखकर आप निर्णय लीजिए

कंगना ने आगे कहा, पंजाब! इंडस्ट्री में ऐसा कहा जाता था कि पंजाब में मेरी फिल्में सबसे अच्छी परफॉर्म करती हैं। और आज एक दिन है जब पंजाब में मेरी फिल्म को रिलीज तक नहीं होने दिया जा रहा है। ऐसे ही कुछ हमले कनाडा और ब्रिटेन में भी किए जा रहे हैं। कुछ चुनिंदा लोगों ने यह आग लगाई हुई है। और इस आग में हम और आप जल रहे हैं। दोस्तों मेरी फिल्म मेरे विचार और मेरा देश के प्रति क्या लगाव है वो इस फिल्म से प्रदर्शित होता है। आप यह फिल्म देखकर खुद निर्णय लीजिए। क्या यह फिल्म हमें जोड़ती है या तोड़ती है? मैं बस और नहीं कहूंगी। जय हिंद धन्यवाद।

कैसा है बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन

कंगना रनौत ने फिल्म इमरजेंसी में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी का किरदार अदा किया है। इस फिल्म का निर्देशन भी उन्होंने किया है। करीब 25 करोड़ रुपये बजट में बनी इस फिल्म ने पहले दिन 2.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे दिन कमाई 3.6 करोड़ रुपये रही। फिर तीसरे दिन का कारोबार 4.35 करोड़ रुपये रहा है। इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 10.45 करोड़ रुपये हो गया है।

इंडो-कोरियन हॉरर फिल्म में नजर आएंगे वरुण तेज

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता वरुण तेज ने फिल्म मुकुंदा से अपने अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कांचे, फिदा, थोली प्रेमा और गद्दालकोंडा गणेश जैसी फिल्मों के जरिए दर्शकों का दिल जीता। आज वरुण के जन्मदिन पर उनकी आगामी कोरियन हॉरर कॉमेडी फिल्म वीटी 15 का पोस्टर शेयर किया है, जो उनके प्रशंसकों के लिए वरुण की बर्थ डे का रिटर्न गिफ्ट है। तेलुगु सिनेमा के अभिनेता वरुण तेज ने फिल्म मुकुंदा से अपने अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कांचे, फिदा, थोली प्रेमा और गद्दालकोंडा गणेश जैसी फिल्मों के जरिए दर्शकों का दिल जीता। आज वरुण के जन्मदिन पर उनकी आगामी कोरियन हॉरर कॉमेडी फिल्म वीटी 15 का पोस्टर शेयर किया है, जो उनके प्रशंसकों के लिए वरुण की बर्थ डे का रिटर्न गिफ्ट है। साउथ अभिनात वरुण तेज फिल्म मटका के बाद अब एक इंडो-कोरियाई हॉरर कॉमेडी के साथ वापसी के लिए तैयार हैं। इस फिल्म का नाम वीटी 15 रखा गया है, जिसमें कई रोमांचक पहलुओं के साथ कॉमेडी भी देखने को मिलेगी। वरुण तेज के जन्मदिन के अवसर पर निर्माताओं ने फिल्म का पहला लुक जारी किया है। पोस्टर में एक रहस्यमयी जार दिखाया गया है, जिस पर ड्रैगन का डिजाइन है और एक कपड़ा जल रहा है, साथ ही अभिनेता को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी गई हैं। टैगलाइन सस्पेंस और कॉमेडी के अनूठे मिश्रण की ओर इशारा करती है जब शिकार करना मजेदार हो जाता है। वेंकटाद्री एक्सप्रेस, एक्सप्रेस राजा और एक मिनी कथा जैसी सफल फिल्मों के लिए मशहूर मेरलापाका गांधी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण यूवी क्रिएशंस ने फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर किया है। फिल्म का संगीत प्रतिभाशाली थमन एस तैयार कर रहे हैं। बहलहाल, फिल्म की शूटिंग और रिलीज की तारीख सहित आगे की अपडेट जल्द ही शेयर की जाएंगी। प्रशंसक वरुण तेज की इस आगामी कोरियन ड्रामा फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं और उनके जन्मदिन पर हुई फिल्म की इस घोषणा से बेहद खुश भी हैं।

गेम चेंजर के फ्लॉप होने के बीच पैपराजी के कैमरे से बचती दिखीं कियारा

राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म गेम चेंजर पिछले सप्ताह सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म के प्रति दर्शकों की उत्सुकता और स्टार कास्ट के फैन फॉलोइंग के बावजूद यह बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। ओपनिंग डे पर औसत कमाई के बाद इसके कलेक्शन में लगातार गिरावट दर्ज की गई। बड़े बजट की वजह से यह फिल्म टिकट खिड़की पर फ्लॉप हो चुकी है। इस बीच, कियारा आडवाणी को हाल ही में पैपराजी से बचते हुए देखा गया। वह आयान मुखर्जी से मुलाकात के बाद अपनी कार में बैठ रही थीं। वॉर 2 का निर्देशन कर रहे आयान ने कियारा को अलविदा कहने के बाद पैपराजी से कहा, आप कहां से आ गए? कियारा आमतौर पर पैपराजी के सामने मुस्कुराते हुए पोज देती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने पूरी तरह से उनसे नजरें चुराने का प्रयास किया। गेम चेंजर की बात करें तो यह फिल्म तेलुगु सिनेमा के मशहूर निर्देशक शंकर की फिल्म है। इसमें राम चरण, कियारा आडवाणी, अंजलि और एसजे सूर्या जैसे बड़े कलाकारों ने अभिनय किया है। फिल्म ने पहले दिन 51 करोड़ रुपये की कमाई की थी, लेकिन इसके बाद फिल्म की कमाई में निरंतर गिरावट देखी गई। फिल्म को पाइरेसी का भी सामना करना पड़ा, क्योंकि इसके रिलीज होते ही इसे ऑनलाइन लीक कर दिया गया। इसके अलावा, बालकृष्ण की डाकू महाराज और वेंकटेश की संक्रांतिकी वस्तुनाम जैसी फिल्मों से भी कड़ी टक्कर मिली, जिससे गेम चेंजर की कमाई और भी ज्यादा प्रभावित हुई।

कबीर सिंह से लेकर किस्मत कनेक्शन तक, देवा से पहले इन रीमेक फिल्मों में काम कर चुके हैं शाहिद

शाहिद कपूर ने कई फिल्मों में अदाकारी से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है। वह इन दिनों अपनी फिल्म देवा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह पुलिस अफसर बनकर जबर्दस्त एक्शन करते हुए नजर आएंगे। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह मलयालम फिल्म मुंबई पुलिस का रीमेक है। यह फिल्म 31 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। यह पहला मौका नहीं है जब शाहिद ने किसी रीमेक फिल्म में काम किया है। इससे पहले भी वह ऐसी कई फिल्मों में काम कर कर चुके हैं।

कबीर सिंह- शाहिद कपूर की सबसे चर्चित और सफल फिल्म कबीर सिंह है। यह फिल्म तेलुगु हिट फिल्म अर्जुन रेड्डी का रीमेक थी। फिल्म में शाहिद कपूर ने एक भावुक और उग्र स्वभाव वाले डॉक्टर का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। शाहिद की एक्टिंग को समीक्षकों और दर्शकों से भरपूर सराहना मिली।

जर्सी - जर्सी भी तेलुगु फिल्म जर्सी का हिंदी रीमेक थी। इस फिल्म में शाहिद कपूर ने एक क्रिकेटर की भूमिका निभाई थी। शाहिद की इस फिल्म में जज्बातों और संघर्ष की गहरी झलक देखने को मिली थी। फिल्म की कहानी और शाहिद की अदाकारी तो अच्छी थी, लेकिन रीमेक होने की वजह से यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी।

ब्लडी डैडी - ब्लडी डैडी फिल्म भी एक रीमेक है, जो फ्रेंच फिल्म स्लीपलेस नाइट का हिंदी रीमेक थी। इस फिल्म में शाहिद कपूर ने एक पुलिस अफसर का रोल निभाया था, जो अंडरवर्ल्ड से जुड़ी एक मुश्किल स्थिति से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करता है। फिल्म का एक्शन और थ्रिलिंग प्लॉट दर्शकों को अंत तक बांधे रखने में सफल रहा था। इसे सीधा ओटीटी पर रिलीज किया गया था।

फुल एंड फाइनल - फुल एंड फाइनल फिल्म भी एक रीमेक थी। यह हॉलीवुड फिल्म स्नैच का रीमेक थी। फिल्म में शाहिद कपूर के साथ और भी कई मशहूर सितारे थे, फिर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं सकी थी।

किस्मत कनेक्शन - किस्मत कनेक्शन में शाहिद कपूर ने विद्या बालन के साथ काम किया था। यह फिल्म जस्ट माय लक का रीमेक थी। इस फिल्म के गाने लोगों के बीच जबर्दस्त हिट हुए थे। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी थी।

बेहतर हो सकती थी गेम चेंजर

रामचरण अभिनीत गेम चेंजर 10 जनवरी से सिनेमाघरों में चल रही है। 450 करोड़ के भारी भरकम बजट में बनी इस फिल्म को पूरा करने में निर्देशक शंकर ने 3 साल का लम्बा वक्त लिया। प्रदर्शन के बाद फिल्म को असफल करार दे दिया गया है। ऐसे में गेम चेंजर के निर्देशक एस शंकर ने फिल्म की एवरेज परफॉर्मेंस पर अपनी गलती होने की बात कही है। एक हालिया इंटरव्यू में शंकर ने कबूल किया कि वो फिल्म में बहुत कुछ बेहतर कर सकते थे। उन्होंने कहा- कोई भी फिल्म मेकर अपनी फिल्म से कभी संतुष्ट नहीं होता। मुझे बिल्कुल पर लगता है कि ये फिल्म और बेहतर हो सकती थी। हमारे पास कई अच्छे सीन थे, लेकिन हमें उनमें काटकर छोटा करना पड़ा। शंकर ने आगे कहा- इसका मतलब ये हुआ कि हमने कुछ बेहतरीन कंटेंट खो दिया। आप तीन घंटे की फिल्म में हर सीन को शामिल नहीं कर सकते। फिल्म का टोटल ड्यूरेशन पांच घंटे हो गया था। ये किसी स्कल्पचर को तराशने जैसा था। अगर आप कोई अच्छा स्कल्पचर बनाना चाहते हैं तो वो पत्थर की बनी हो तो बेहतर है। बता दें कि फिल्म गेम चेंजर से शंकर ने अपना तेलुगु डेब्यू किया है।

फाल्गुन मास का महत्व, विशेषताएं, शुभ तिथि और व्रत त्योहार

धार्मिक शास्त्रों में फाल्गुन मास का बहुत महत्व माना गया है। इस बार फाल्गुन महीने का शुभारंभ 17 फरवरी 2022 से हो गया है। यह माह कई धार्मिक व्रत त्योहार लेकर आ रहा है। चंद्र देव की आराधना के लिए फाल्गुन मास सबसे उपयुक्त समय होता है, क्योंकि यह चंद्रमा का जन्म माह माना जाता है। फाल्गुन मास हिन्दू पंचांग का अंतिम महीना है। इस माह से धीरे-धीरे गर्मी के दिन शुरू होने लगते हैं तथा ठंड कम होने लगती है।

फाल्गुन माह में भगवान श्री कृष्ण की आराधना का भी विशेष महत्व है, इस माह में विशेषकर भगवान श्री कृष्ण के तीन स्वरूपों की पूजा करना बहुत ही लाभदायी माना जाता है। इसमें बाल कृष्ण के स्वरूप, युवारूप कृष्ण और गुरु कृष्ण की पूजा की जा सकती है। बाल कृष्ण को संतान पाने के लिए, युवा कृष्ण को दांपत्य जीवन मधुर बनाने के लिए और गुरु कृष्ण का पूजन मोक्ष और वैराग्य पाने के लिए कृष्ण जी का पूजन करनी चाहिए।

विशेषताएं

- हिन्दू धर्म के अनुसार अनेक देवताओं में से एक हैं चंद्र देवता। चंद्र के देवता भगवान शिव है और शिव जी ने चंद्रमा को अपने सिर पर धारण कर रखा है।
- चंद्रमा का जन्म फाल्गुन में मास में होने के कारण इस महीने चंद्रमा की उपासना करने का विशेष महत्व है।
- फाल्गुन में पूरे महीने भर में चंद्र देव, भगवान शिव और भगवान श्री कृष्ण की उपासना करना विशेष फलदायी मानी गई है।
- इस माह की पूर्णिमा को फाल्गुनी नक्षत्र में आने के कारण ही इस माह का नाम फाल्गुन पड़ा है।
- फाल्गुल मास शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को श्री गणेश मंदिर में जाकर श्री गणेश की मूर्ति का विधिवत पूजन कर तिल से बने पदार्थों को भोग लगाने की मान्यता है तथा तिल से हवन करने के बाद व्रत पारण का बहुत महत्व है।
- फाल्गुल महीने में अपने खान-पान और जीवनचर्या में बदलाव करना बहुत ही खास माना गया हैं, क्योंकि इस माह भोजन में अनाज का प्रयोग कम करके मौसमी फलों का सेवन अधिक करने की मान्यता है।
- फाल्गुन मास को आनंद और उल्लास का महीना भी कहा जाता है।
- इस माह में संतान पाने की चाह रखने वालों को बाल कृष्ण की पूजा करनी चाहिए।

क्यों करना चाहिए दान दान के प्रकार महत्व और मुहूर्त

हिन्दू धर्म में 10 कर्तव्यों को बताया गया है- 1.ईश्वर प्राणिधान, 2. संध्या वंदन, 3.श्रावण माह व्रत, 4. तीर्थ चार धाम, 5दान, 6.मकर संक्रांति-कुंभ पर्व, 7.पंच यज्ञ, 8. सेवा कार्य, 9.16 संस्कार और 10. धर्म प्रचार। यहां हम जानते हैं दान के प्रकार, महत्व और मुहूर्त को।

दान के प्रकार

- वेदों में तीन प्रकार के दाता कहे गए हैं- 1.उक्तम, 2मध्यम और 3निकृष्ट। धर्म की उन्नति रूप सत्यविद्या के लिए जो देता है वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है तो वह मध्यम और जो वेश्यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को निष्प्रयोजन जो देता वह निकृष्ट माना गया है।
- पुराणों में अनेकों दानों का उल्लेख मिलता है। जैसे गौ दान, छाता दान, जुते-चप्पल दान, पलंग दान, कंबल दान, सिरहाना दान, दर्पण कंघा दान, टोपी दान, औषध दान, भूमिदान, भवन दान, धान्य दान, तिलदान, वस्त्र दान, स्वर्ण दान, घृत दान, लवण दान, गुड़ दान, रजन दान, अन्नदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान। इनमें से मुख्य है- 1अन्न दान, 2वस्त्र दान, 3औषध दान, 4ज्ञान दान एवं 5अभयदान।
- कुछ दान ऐसे भी होते हैं जो किसी व्यक्ति विशेष को नहीं दिए जाते हैं। जैसे दीपदान, छायादान, श्रमदान आदि।
- मुख्यत: दान दो प्रकार के होते हैं- एक माया के निमित्त किया गया दान और दूसरा भगवान के निमित्त किया गया दान। पहले दान में स्वार्थ होता है और दूसरे दान में भक्ति।

दान का महत्व

- वेद और पुराणों में दान के महत्व का वर्णन किया गया है।दान से इंद्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रंथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। मृत्यु आए इससे पूर्व सारी गांठे खोलना जरूरी है, जो जीवन की आपाधापी के चलते बंध गई है। दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है।
- किसी भी वस्तु का दान करते रहने से विचार और मन में खुलापन आता है। आसक्ति (मोह) कमजोर पड़ती है, जो शरीर छुटने या मुक्त होने में जरूरी भूमिका निभाती है। हर तरह के लगाव और भाव को छोड़ने की शुरुआत दान और क्षमा से ही होती है। दानशील व्यक्ति से किसी भी प्रकार का रोग या शोक भी नहीं चिपकता है। बुढ़ापे में मृत्यु सरल हो, वैराग्य हो इसका यह श्रेष्ठ उपाय है और इसे पुण्य भी माना गया है।
- दान देना एक पुण्य कर्म है। माना जाता है कि दान करने से मनुष्य का इस लोक के बाद परलोक में भी कल्याण होता है। दान देने से मनुष्य को सद्गति मिलती है।
- दान करने से जीवन की तमाम परेशानियों का अंत खुद-ब-खुद होने लगता है। दान करने से कर्म सुधरते हैं और अगर कर्म सुधर जाएं तो भाग्य संवरते देर नहीं लगती है।
- हमारे शास्त्रों में ऋषि दधीचि का वर्णन है जिन्होंने अपनी हड्डियां तक दान में दे दी थीं, कर्ण का वर्णन है जिसने अपने अंतिम समय में भी अपना स्वर्ण दंत याचक को दान दे दिया था।
- दान एक हाथ से देने पर अनेक हाथों से लौटकर हमारे ही पास वापस आता। बस, शर्त यह है कि दान नि:स्वार्थ भाव से श्रद्धापूर्वक समाज की भलाई के लिए किया जाए।
- दान करने से सभी तरह के दैहिक, मानसिक और आत्मिक ताप मिट जाते हैं।
- दान करने से ग्रहदोष, नक्षत्रदोष, पितृदोष, मंगलदोष, कालसर्पदोष आदि सभी तरह के दोष मिट जाते हैं।
- जरूरतमंद व्यक्ति को दान देने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।
- दान करने से घर परिवार में किसी भी प्रकार का संकट नहीं आता है और सुख समृद्धि बनी रहती है।

दान देने का समय और मुहूर्त

- यदि कोई याचक आपके द्वार पर आए तो दान दें।
- यदि कोई अतिथि आपके घर आए तो उसे दान दें।
- यदि मंदिर में जाएं तो दान दें।
- यदि किसी तीर्थ क्षेत्र में जाएं तो दान दें।
- यदि कोई श्राद्ध कर्म करें तो दान दें।
- यदि कोई संक्रांति पर्व हो तो दान दें।
- यदि परिवार में किसी को धन, वस्तु या अन्न की आवश्यकता हो तो दान दें।
- यदि देश, समाज और धर्म पर किसी भी प्रकार का संकट आया हो तो दान दें।
- वद्यालय, चिकित्सालय, गौशाला, आश्रम, मंदिर, तीर्थ और धर्म के निमित्त दान दें।
- सभी पर्वों और तीर्थों में दान करने के शुभ मुहूर्त होते हैं। उन्हें जानकर ही दान दें।

सत्यनारायण की कथा के रहस्य

हर घर में सत्यनारायण की कथा का आयोजन होता है। आखिर यह सत्यनारायण की कथा क्या है और क्या है इसका रहस्य।

- भगवान विष्णु के सत्य स्वरूप की कथा ही सत्यनारायण व्रत कथा है।
- सत्यनारायण व्रत कथा स्कन्दपुराण के रेवाखण्ड से संकलित की गई है।
- सत्यनारायण व्रत कथा के दो भाग हैं- व्रत-पूजा तथा कथा का श्रवण या पाठ।
- इस कथा के दो प्रमुख विषय हैं- संकल्प को भूलना और प्रसाद का अपमान करना।
- यह कथा अक्सर पूर्णिमा के दिन, बृहस्पतिवार या किसी पर्व विशेष के दिन परिवार में आयोजित की जाती है।
- सत्य को नारायण के रूप में पूजना और नारायण को ही सत्य मानना यही सत्यनारायण है। सत्य में ही सारा जगत समाया हुआ है बाकी सब माया है।
- सत्यनारायण कथा के अलग-अलग अध्यायों में छोटी कहानियों के माध्यम से बताया गया है कि सत्य का पालन न करने पर किस प्रकार की समस्या आती है और किस प्रकार प्रभु नाराज होकर दंड देते हैं या प्रसन्न होकर पुरस्कार देते हैं यह इस कथा का केंद्र बिंदू है।
- सत्यनारायण भगवान की पूजा में खासकर केले के पत्ते, नारियल, पंचफल, पंचामृत, पंचगव्य, सुपारी, पान, तिल, मोली, रोली, कुमकुम, तुलसी की आवश्यकता होती। इन्हें प्रसाद के रूप में फल, मिष्ठान और पंजरी अर्पित की जाती है।
- विधिवत रूप से व्रत रखने और कथा सुनने से व्यक्ति के जीवन के सभी तरह के संकट दूर हो जाते हैं।
- इस कथा का तिरस्कार करने या मजाक उड़ाने से व्यक्ति के जीवन में संकटों की शुरुआत हो जाती है।

ऐसे करें श्रीयंत्र के सामने आराधना

श्री यंत्र भगवती त्रिपुर सुंदरी का विश्व विख्यात यंत्र है। इसे यंत्र राज भी कहा गया है। इस यंत्र में ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास का दर्शन होता है। यह यंत्र व्यापारिक समस्या, आर्थिक उन्नति भौतिक सुख के लिए अचूक उपाय है।
जैन शास्त्रों में भी श्रीयंत्र की प्रशंसा के गुणगान किए गए हैं। श्रीयंत्रों में कई शक्तियों का वास होता है। जब श्रीयंत्र सिद्ध कर लें तो उसे घर की उत्तरी दीवार पर दक्षिण मुख में स्थापित करें। नवरात्र में सिद्ध किए गए श्री यंत्र को व्यक्ति अपनी हर मनोकामना को पूरा करने के लिए श्री यंत्र के सामने श्री सूक्त का पाठ करें। या ऊं ह्रीं श्रीं श्रीकमले कमलालये प्रसीद प्रसीद। श्रीं ह्रीं श्रीं ऊं महालक्ष्मै नम: का 27, 54 108 बार जप करें। ऐसा करने पर आपकी मनोकामना जरूर पूरी होगी।

घर के हर वास्तु दोष को करता है दूर मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकोंक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नम: जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

गणतंत्र दिवस पर सेवानी ग्रुप की पहल: 26 बुजुर्गों का होगा सम्मान, पत्रकारों के लिए बड़ी घोषणा

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निसं.)। इस गणतंत्र दिवस पर सेवानी ग्रुप ऑफ कम्पनीज और दिशा क्लासेज ने "सेवानी 26 स्पेशल" के तहत एक अनोखी पहल की घोषणा की है। जयपुर रोड स्थित होटल ली ग्रैंड में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ग्रुप के डायरेक्टर नरेंद्र कुमार सेवानी ने बताया कि 26 जनवरी को 26 बुजुर्गों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही, प्रत्येक बुजुर्ग के साथ आने वाले एक परिजन को भी सम्मानित किया जाएगा। इस अभिनव पहल के पीछे का उद्देश्य समाज में बुजुर्गों की अहमियत और उनकी भूमिका को पहचानना है। नरेंद्र कुमार सेवानी ने कहा कि यह सम्मान समारोह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बुजुर्गों के प्रति आभार प्रकट करने का प्रयास है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सेवानी ने पत्रकारों के लिए भी एक बड़ी घोषणा की, जिससे मीडिया जगत में उत्साह की लहर है। उन्होंने कहा, "मैंने हमेशा पत्रकारों को अपने परिवार का हिस्सा माना है। मेरी मेडिकल क्षेत्र से जुड़ी सेवाओं के माध्यम से मैं पत्रकारों को हर प्रकार की दवाओं पर न्यूनतम 22 प्रतिशत से लेकर अधिकतम 88 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध कराऊंगा। यह केवल एक वादा नहीं, बल्कि मेरी ओर से एक प्रतिबद्धता है।" नरेंद्र सेवानी ने कहा कि पत्रकार समाज की रीढ़ हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के काम करते हैं। उनकी सेवाओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए यह कदम उठाया गया है। "सेवानी 26 स्पेशल" कार्यक्रम और पत्रकारों के लिए यह घोषणा सेवानी ग्रुप की समाजसेवा की भावना और उनके दृष्टिकोण को दर्शाती है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम न केवल बुजुर्गों को सम्मानित करेगा, बल्कि समाज में पारिवारिक और मानवीय मूल्यों को भी मजबूत करेगा। इस पहल की चौमूं और आसपास के क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है। समाजसेवा और पत्रकारों के प्रति सम्मान के इस प्रयास ने सेवानी ग्रुप को एक प्रेरणास्त्रोत के रूप में स्थापित कर दिया है।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर पथ संचलन

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं)। आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पथ संचलन निकाला गया। प्रधानाचार्य मिट्ठू लाल शर्मा ने बताया कि संचलन रोडवेज बस स्टैंड से प्रारम्भ हो कर कस्बे के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः रोडवेज बस स्टैंड पहुंचा।कस्बेवासियों द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा कर संचलन का स्वागत किया।नेताजी सुभाष चंद्र बोस व भारत माता की झांकी भी सजाई गई।विद्यालय के 230 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।संचलन की शुरुआत के दौरान तहसीलदार ललित कुमार डिडवानिया,विद्यालय समिति के पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता-2025 का शुभारम्भ

बिजौलियां। नयागांव स्थित देव बनी में एक ऑयल मील द्वारा आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2025 का उद्घाटन बुधवार रात्रि में विवेक सुषमा स्मृति चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष दीपशिखा धाकड़ के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर दीपशिखा धाकड़ ने कहा की खेल खेलने से खिलाड़ियों का शारीरिक तथा बौद्धिक विकास होता हैं। इसलिए सभी युवाओं को इसमें भागीदारी निभानी चाहिए। प्रतियोगिता में क्षेत्र की 38 टीमें भाग ले रही हैं। प्रथम मैच जावदा और कल्याणपुरा के बीच खेला गया। जिसमें कल्याणपुरा विजेता रही

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

क्रमांक: 1616-28 दिनांक- 13.01.2025

ई-निविदा सूचना संख्या- 15/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील राजगढ जिला चूरू में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर. पी डब्लयू. ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No. PWD2425A3806

W.No.	UBN No.	W.No.	UBN No.
1	PWD2425WSOB13780	2	PWD2425WSOB13782
3	PWD2425WSOB13785	4	PWD2425WSOB13787
5	PWD2425WSOB13788	6	PWD2425WSOB13790
7	PWD2425WSOB13791	8	PWD2425WSOB13792
9	PWD2425WSOB13793	10	PWD2425WSOB13794
11	PWD2425WSOB13796	12	PWD2425WSOB13798
13	PWD2425WSOB13799	14	PWD2425WSOB13800
15	PWD2425WSOB13801		

DIPR/C/776/2025

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका चाकसू जिला - जयपुर

नियम 6 (7) देखिए

क्रमांक- 4461 दिनांक- 23/1/2025

लोक सूचना

श्रीमति कमला/रामलाल, श्रीमति ग्यारसी / गूलचन्द, श्री घासीराम / मूलचन्द, श्री छीतर / रघुनानाथ, श्री नरेश कुमार / रामलाल, श्रीमति नारायणी देवी/रामलाल, श्रीमति पुष्पा / रामलाल, श्री बनवारी / मूलचन्द, श्री बाबूलाल / दीपचन्द, श्री भानुप्रकाश / रामलाल, श्रीमति मंजू/मूलचन्द, श्री मनोज कुमार / रामलाल, श्री गोती लाल / दीपचन्द, श्री रमेश चन्द / श्रीया उर्फ श्री नारायण, श्री रामस्वरूप / दीपचन्द, श्री सीताराम/दीपचन्द, श्री हरिनारायण / धन्नालाल, श्री रामलाल / मान निवासी वास जगनाथपुरा वाली ढाणी बीड संतोषपुरा चाकसू तह. चाकसू जिला जयपुर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (आवासीय प्रयोजन) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा न.	क्षेत्र
तहसील चाकसू जिला जयपुर	ग्राम बीडसंतोषपुरा पटवार हल्का रामनिवास	125 से 128, 131, 132, 135, 136, 142, 145 से 199	कुल किता 64 रकवा 19.42 हैक्टर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 - क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ आपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा ।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 23/01/2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिका चाकसू

महात्मा गाँधी विद्यालय मे एस डी एम सी व एस एम सी सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ संपन

जयपुर टाइम्स

फालना पाली(निसं) स्थानीय महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय खुडाला मे नगर के सभी विद्यालयों के एस डी एम सी और एस एम सी सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया द्य संस्था प्रधान दलपत राज चौधरी ने बताया कि प्रशिक्षण मे दक्ष प्रशिक्षक फालना गाँव के उप प्रधानाचार्य व्याख्याता मुकेश शर्मा ने प्रशिक्षण मोड्युल को विस्तार से बताया तथा सदस्यों के कर्तव्य और अधिकारों के बारे मे बताया शर्मा ने कहा कि विद्यालय के सर्वांगीण विकास में एसएमसी एवं एसडीएमसी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान होता है आज शिविर के समापन सत्र मे प्रधानाध्यापक रामलाल गोयल एसडीएमसी अध्यक्ष गोपा राम चौधरी,अमित मेहता,स्थानीय पार्षद श्रीपाल सिंह,हेमाराम चौधरी,दिलीप मीणा, सुल्ताना बानो,सुरेंद्र कुमार, महेंद्र सिंह चावड़ा,दिनेश माहेश्वरी ,किरण गर्ग,जुगराज स्टाफ और समस्त सदस्यों ने प्रशिक्षण शिविर को उपयोगी बताया और इस तरह के शिविर आयोजन के लिये शिक्षा विभाग का आभार प्रकट किया

श्याम मंदिर में बाबा का दरबार सजाकर भजनों का आयोजन हुआ

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निस.) चाकसू उपखंड क्षेत्र के कोटखावदा क्षेत्र में बुधवार को इन्द्रपुरी रोड़ पर स्थित श्याम बाबा के मंदिर में श्री श्याम परिवार सेवा समिति व श्री श्याम मंदिर निर्माण समिति के तत्वावधान में श्याम भजनों का आयोजन किया गया। वही भजनों में श्याम बाबा के जयकारों से पूरा पांडाल गुजमान हो उठा। वह भजनों में अलग-अलग गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों से बाबा को रिझाया गया। इस दौरान श्याम प्रेमी ने भजनों का आनंद लेते हुए शाम को पौष बड़ा प्रसादी का आनन्द भी लिया गया। समिति के अध्यक्ष मुरारी गुप्ता ने बताया कि श्याम बाबा के भजनों से गायक कलाकारों ने बाबा को रिझाया गया। वहीं दरबार में 56 प्रकार के भोग से झांकियां सजाई गई। कोषाध्यक्ष रितेश जैन ने कहा कि हजारों श्रद्धालु भजनों का आनंद लेते हुए पौषबडा प्रसादी का आनन्द लिया गया। कार्यक्रम के दौरान आए हुए सैकड़ों प्रेमियों व जनप्रतिनिधियों का समिति द्वारा माला व दुपट्टा पहनाकर स्वागत सत्कार किया

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक- न.पा.ता / 2024 - 25 / 6084 दिनांक- 21.01.2025

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका क्षेत्र तारानगर के निम्नांकित भूखण्ड धारियो ने कृषि भूमि नियमन, पट्टा नामान्तरण, भवन निर्माण स्वीकृति हेतु पत्रावलियां जमा करवायी गयी है अतः जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस मे सप्रमाण आपति इस कार्यालय मे प्रस्तुत करे। बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क्र.स.	आवेदक का नाम व पिता का नाम	वार्ड नं.	ऑनलाईन आवेदन	आवेदन सं.	कुल तादादी (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1.	पन्नालाल पुत्र मूलचन्द	03	204438	4484	689.73	69 ए नियमन
2.	मोहम्मद आरिफ पुत्र सुलेमान तेली	34	204140	4485	134.60	69 ए नियमन
3.	निर्मला देवी पत्नी अमरचन्द	10	204137	4486	71.87	69 ए नियमन
4.	रौनक सुराना पुत्र कुलदीप कुमार सुराना	11	206401	4487	299.99	69 ए नियमन
5.	प्रदीप कुमार पुत्र किशनलाल छिम्पा	25	207898	2157	232.23	कृषि भूमि नियमन
6.	सीताराम पुत्र भादरराम	25	207891	2156	116.12	कृषि भूमि नियमन
7.	रोहिताश धायल पुत्र सरदाराराम	26	203475	2155	281.53	कृषि भूमि नियमन
8.	साजिदा पत्नी मो. हारून	16	207874	2154	167.20	कृषि भूमि नियमन
9.	दिनेश चन्द्र पुत्र दीपचन्द	26	207333	2153	260.10	कृषि भूमि नियमन
10.	कमलेश पत्नी चोरूराम	19	206242	2152	178.82	कृषि भूमि नियमन
11.	सुभाष सैनी पुत्र कानाराम सैनी	23	204143	2151	146.30	कृषि भूमि नियमन
12.	राधाकिशन सुनार पुत्र मगनीराम व धर्मचन्द सोनी पुत्र राधा किशन	10	50	156	33.44	भवननिर्माण स्वीकृति
13.	धर्मचन्द सोनी व पवन कुमार पुत्राण राधा किशन	10	52	155	40.70	भवननिर्माण स्वीकृति
14.	सुनिल कुमार पुत्र भगत सिंह	19	49	153	72.49	भवननिर्माण स्वीकृति
15.	शंकुतला पत्नी राजकुमार रणवा	6	57	152	193.22	भवननिर्माण स्वीकृति
16.	गुलाम हुसैन पुत्र छोटूखान	25	56	154	240.88	भवननिर्माण स्वीकृति
17.	मोनिका झेडू पत्नी निर्मला कुमार छिम्पा	1	116005	201	178.35	पट्टा नामान्तरण
18.	प्रमोद कुमार सोनी पुत्र ओमप्रकाश	28		202	78.46	पट्टा नामान्तरण
19.	सुमन पत्नी महेन्द्र सिंह मुहाल	20	112920	198	232.23	पट्टा नामान्तरण
20.	संजय कुमार धीनवाल पुत्र नोरंगलाल	06	209152	4488	178.35	69ए नियमन

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपर , शुक्रवार
24 जनवरी, 2025

स्कूटी मिलने पर सुहानी व महिमा को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राजस्थान पब्लिक स्कूल, मंडावा के प्रांगण में बुधवार को स्कूल की छात्रा महिमा पुत्री दयाशंकर शर्मा मंडावा व सुहानी शर्मा पुत्री हरीश चंद्र शर्मा दीनवा को कालीबाई स्कूटी योजना के तहत राजस्थान सरकार की ओर से स्कूटी मिलने पर विद्यालय निदेशक हरलाल सिंह मोगा की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक ने बताया कि परिश्रम करने वाले को अपने जीवन में सफलता जरूर मिलती है और विद्यालय के छात्र -छात्राओ को इससे प्रेरणा लेने की बात कही। इस अवसर पर विद्यालय सचिव सुभाष चन्द्र मोगा, अंग्रेजी माध्यम प्रधानाध्यापक सरिता मोगा, मोहरसिंह, महावीर, विजेंद्र, रोहिताश, विकाश, नरेश, शंकर सिंह, रामावतार, महेश, जुगल किशोर, अमित, महिपाल, निशा, निर्मला, अनीता, मनोज, सरोज, नदीम, तय्युब अली, पंकज, पल्लवी, मूलचंद्र, संदीप आदि ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य अशोक मोगा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

धनावता में पेंथर के मूवमेंट पर मौके पर पहुँचे आला अधिकारी

जयपुर टाइम्स

उदयपुरवाटी(निस)। कस्बे के धनावता गांव में जाने वाले बीच रास्ते पर खांडेश्वर धाम की 52 कुई पहाड़ियों पर पिछले पांच दिन से मादा पैंथर अपने दो शावकों के साथ पहाड़ी मे बनी कुई में मूवमेंट करते दिखे। मादा पैंथर अपने दो शावकों के साथ पहाड़ी पर अटखेलियां करते नजर आ रही है। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना के बाद गुरुवार को उदयपुरवाटी के पूर्व रेंजर विजय फगेड़िया भेरूघाट नाका इंचार्ज रघुवीर सिंह व उनकी टीम मौके पर पहुंचकर पहाड़ी पर विचरण कर रही है। मादा पैंथर के विचरण की मौके पर जानकारी ली। रेंजर विजय फगेड़िया की ओर से मौके पर मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं वन कर्मियों को तैनात किया गया। स्थानीय ग्रामीणों से अपील करते हुए पैंथरों से किसी प्रकार के छेड़खानी नहीं करने की अपील की गई है। वन विभाग के अधिकारी लगातार ग्रामीणों की मदद से मौके पर मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

योग व नशामुक्ति की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के राजकीय कन्या महाविद्यालय में आयुक्तालय के निर्देशानुसार भारतीय संस्कृति में योग व आयुर्वेद विषय पर और नशा मुक्ति विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ महेश सेवदा थे। डॉ सेवदा ने योग वआयुर्वेद के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि योग व आयुर्वेद का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बहुत महत्व है। योग व आयुर्वेद प्राचीन समय के भारतीय ऋषियों की ओर से दिए गए वरदान के समान है। उन्होंने योग के विभिन्न अंगों व आयुर्वेद के अनुसार दिनचर्या में शामिल करने वाले भोज्य पदार्थों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने नशे की प्रवृत्ति के मुख्य कारणों व इससे बचने के उपायों के बारे में भी बताया। इस अवसर पर लेखाधिकारी गजेंद्र सिंह भाटी, डॉ गजेंद्र दान चारण, मुकेश चौधरी, अशिता गढ़वाल, रामस्वरूप स्वामी आदि संकाय सदस्य उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ योगेश चाहर ने कहा कि व्याख्यान का विषय बहुत ही प्रासंगिक है। छात्राओं को इसे जीवन में उतारना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन सह आचार्य नवीन कुमार पारीक ने किया।

नसबंदी के बाद खून नहीं रुका, महिला की मौत, 2 दिन पहले हुआ था ऑपरेशन

जयपुर टाइम्स

झालावाड़(निसं.) झालावाड़ में नसबंदी ऑपरेशन के बाद खून नहीं रुकने से महिला की मौत हो गई। महिला का पिड़ावा अस्पताल में 2 दिन पहले (21 जनवरी) को नसबंदी शिविर में ऑपरेशन हुआ था। परिजनों ने डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया। प्रशासन ने महिला के परिजन को संविदा पर नौकरी देने, 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और दोषी डॉक्टर्स पर कार्रवाई का आश्वासन दिया तब मामला शांत हुआ। जानकारी के अनुसार, मुनिया बाई (35) पत्नी ईश्वर मेघवाल निवासी अरनिया चारण, भानपुरा थाना, जिला मंदसौर (मध्य प्रदेश) ने मंगलवार को एक महिला नर्स की सलाह पर पिड़ावा में आयोजित शिविर में नसबंदी ऑपरेशन कराया था। करीब 3 बजे ऑपरेशन के बाद महिला को पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। वार्ड में उसका जी घबराने लगा और उल्टियां होनी लगी। लगातार हो रही ब्लीडिंग के कारण महिला की तबीयत बिगड़ गई। इस पर मेडिकल टीम ने झालावाड़ से आईसीयू एंबुलेंस मंगाई गई। करीब 5 बजे महिला को झालावाड़ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टर्स की टीम ने महिला को बचाने के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ और बुधवार रात को उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टर्स पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया। सूचना मिलने पर गुरुवार सुबह एसडीएम अभिषेक चारण और सीएमएचओ डॉ. साजिद खान जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों से बात की तो उन्होंने 2 प्रमुख मांग रखी। प्रशासन ने मृतका के परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने और 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने पर सहमति जताई। वहीं, प्रशासन ने आश्वासन दिया कि जांच में दोषी पाए जाने वाले डॉक्टर्स के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने पार्षद की गिरफ्तारी का जताया विरोध

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। कस्बे में गुरुवार को छतरियों के पास एक समाज की बैठक आयोजित हुई जिसमें पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा भी मौजूद रहे। इस दौरान राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। एक तरफ असामाजिक तत्वों की ओर से बहन-बेटियों को परेशान किया जा रहा है। बार-बार शिकायत व समझाइस की गई उसके बावजूद लाइब्रेरी में पढ़ने वाले छात्र नहीं समझे और मोहल्ले में माहौल खराब कर रहे थे लेकिन फिर भी पुलिस प्रशासन ने एक तरफा कार्रवाई की, यह नाइंसाफी है जिनको समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके बाद राजेंद्र गुढ़ा समाज विशेष के लोगों के साथ थाने पहुंचे और डिप्टी ग्रामीण हरिसिंह धायल से बातचीत की जिस पर डिप्टी ने कहा कि मामले का अनुसंधान किया जा रहा है और जहां पर झगड़ा हुआ था वहां पर सीसीटीवी फुटेज में भी पार्षद नजर आ रहा है। इसके बाद गुढ़ा एसडीएम कार्यालय पहुंचे और वहां पर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए एक तरफा कार्रवाई का विरोध जताते हुए कहा कि जल्द न्याय नहीं मिला तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। पूर्व पालिका उपाध्यक्ष अयूब भाटी ने संबोधन में कहा कि जो भी दोषी है उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान पूर्व पालिका उपाध्यक्ष अयूब भाटी के नेतृत्व में एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की। इस दौरान शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस थाना व एसडीएम कार्यालय के पास मंडावा थाना अधिकारी रामनिवास, एएसआई मुलायम सिंह, बिसाऊ एसएचओ रामपाल मीणा अतिरिक्त पुलिस जाप्ते के साथ तैनात रहे। गौरतलब है कि बुधवार को लाइब्रेरी में पढ़ने वाले छात्रों के साथ मारपीट मामले को लेकर पुलिस ने एक पार्षद सत्तार व हिस्ट्रीशीटर अनवर सहित पांच जनों को गिरफ्तार किया था। कस्बे में निकल रहे एक धार्मिक जुलूस को देखने के लिए सक्षम लाइब्रेरी के छात्र छत पर खड़े थे और जुलूस शांतिपूर्ण वहां से निकल चुका था और उसके बाद वहां पास में ही रहने वाले अनवर अली, पार्षद सत्तार खान, अमीर, अब्दुल मजीद व जुबेर ने सक्षम लाईब्रेरी मे घुसकर छात्र /छात्राओ के साथ मारपीट की थी। जिसमे दो छात्र व अन्य छात्राओं के चोटे आई। इस घटना में अंकित निवासी बाजीसर व महेश निवासी मीठवास के सिर में गंभीर चोटें आई थी।

गोमती कॉलेज में मनाई सुभाष जयंती

जयपुर टाइम्स

बड़ागांव(निस)। बस स्टैंड स्थित श्रीमती गोमती देवी पी जी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों की ओर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। कॉलेज निदेशक सी. एल. शर्मा और प्राचार्य डॉ. एस. के. सेवका ने नेताजी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सी एल शर्मा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को नेताजी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य पर दृढ़ता पूर्वक कार्य करने की उदाहरणों से नेक सलाह दी। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को अपने जीवन में अनुशासन अपनाने पर बल दिया। बी.एड.कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गजेंद्र सिंह शेखावत ने ने अपने विचार रखते हुए नेताजी के पद चिन्हों पर चलने व उनके जीवन से प्रेरणा लेने की सलाह दी। प्राचार्य डॉ एस के सेवका ने महानायक के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी आजादी का पर्याय ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ पी एन शर्मा और सुभाष जांगिड़ ने नेताजी के जीवन पर विस्तार से जानकारी देकर स्वयं सेवक और सेविकाओं को लाभान्वित किया। योगेश, निखिल, कविता, सुमन, उजाली आदि स्वयं सेवक और सेविकाओं ने नेताजी के प्रेरणास्पद प्रसंग और देशभक्ति कविताएं सुनाकर नेताजी का गुणगान किया। कार्यक्रम में सुबेदार मेजर आजाद सिंह,डॉ. सुभाष सैनी, हवा सिंह, राकेश शर्मा, राजकुमार जांगिड़, प्रवीण जांगिड़, नवीन कुमार, उमा, कीर्ति शर्मा, पंकज सैनी सहित सभी स्टॉफ सदस्य, स्वयं सेवक और सेविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राकेश गुर्जर ने किया।

ब्लॉक स्तरीय वार्षिक प्रशिक्षण जन्म मृत्यु पंजीयन आयोजित

जयपुर टाइम्स

उदयपुरवाटी(निस)। पंचायत समिति सभागार में गुरुवार को ब्लॉक स्तरीय वार्षिक प्रशिक्षण जन्म मृत्यु पंजीयन 2025 का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला रजिस्टर जन्म मृत्यु पंजीयन झुंझुनू पूनम कटेवा ने की। उन्होंने बताया कि जन्म प्रमाण पत्र में गोदनामा के आधार पर ही दत्तक पिता का नाम चेंज होगा। जन आधार में संलग्न फाइल को देखकर ही नाम डिलीट करें और एमसीडी फॉर्म 4 ए की प्रति मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ संलग्न आवश्यक रूप से करें व रिकॉर्ड की जांच करने के उपरांत ही जन्म प्रमाण पत्र जारी करें। ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी उदयपुरवाटी सुभाष चंद्र पालीवाल ने प्रशिक्षण देते हुए बताया कि रजिस्टर या उप रजिस्ट्रार जन्म मृत्यु की सौ प्रतिशत घटनाओ का पंजीयन करें सीएचसी /पीएचसी में हुए प्रसव के शिशु का बिना नाम के तत्काल जन्म प्रमाण पत्र जारी करें। पहचान पोर्टल की ई साइन पेंडेंसियो का तत्काल निस्तारण करें और पंजीयन के अधिकतम सात दिन के अंदर रजिस्टर जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करें ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी ने पहचान पोर्टल, जन्म मृत्यु संशोधन अधिनियम 2023 जो की 1-10 -2023 से लागू होने के बारे में व जन्म मृत्यु विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र भी प्रक्रिया अनुरूप करवाने व दस्तावेजों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण में ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश भूपेश ने सीएचसी व पीएचसी प्रभारी को जन्म मृत्यु का तत्काल पंजीयन करने और डिस्चार्ज के साथ ही तत्काल शिशु का जन्म प्रमाण पत्र प्रदान करने के निर्देश दिए।प्रशिक्षण में नायब तहसीलदार नीरज वर्मा ने शत प्रतिशत व तत्काल प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए।अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बृजलाल ने बताया कि नवजात शिशु को जन्म प्रमाण पत्र तत्काल जारी किया जाए जिससे विद्यालय में प्रवेश के समय सही जन्मतिथि अंकित की जा सके।सीएचसी प्रभारी डॉ अनिमेष गुप्ता ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों में घटित घटनाओं का तत्काल पंजीयन कर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इस दौरान ब्लॉक के समस्त ग्राम विकास अधिकारी सीएचसी, पीएससी प्रभारी अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिकाएं तौफीक अहमद , सहायक विकास अधिकारी सुभाष स्वामी, सांख्यिकी निरीक्षक आरती कुमारी, संगणक योगेंद्र ढाका सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

राजस्थान पुलिस के एएसआई की पत्नी का शव बंद कमरे में मिला, भाई का आरोप 'जीजा ने की जीजी की हत्या'

जयपुर टाइम्स

बूदीं(कासं)शहर से पांच किलोमीटर दूर माटुंडा गांव में राजस्थान पुलिस के एएसआई की पत्नी की संदिग्ध हालत में मौत मामला सामने आया है। महिला का शव बंद कमरे में पड़ा मिला है। महिला के पीहर पक्ष के लोगों ने एएसआई रमेश रैगर और उसके दो बेटों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस को रिपोर्ट में महिला के पति और बेटों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। गुरुवार सुबह महिला के शव का सामान्य चिकित्सालय की मोर्चरी में मेडीकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है।अब इस मामले की जांच सदर थाना पुलिस कर रही है। मध्यप्रदेश के श्योपुर निवासी मृतका सुमित्रा के भाई चेतन रैगर ने आरोप लगाया कि उसकी बड़ी बहन सुमित्रा की उसके जीजा रमेश ने हत्या की है। चेतन ने बताया कि रमेश ने उन्हें सूचना दी कि उसकी बहिन की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे तो एक कमरे में, जिसमें कबाड़ भरा था वहां शव मिला। उसे खाने के नाम पर कुछ नहीं दिया जा रहा था। अनावश्यक दवाइयां देकर उसको मानसिक रोगी बनाकर कमरे में बंद रखा जाता था। जब कमरे में बहन का शव देखा तो बदबू आ रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उसे कई दिनों से कमरे में बंद रखा हुआ था, ना कुछ खाने को दिया जा रहा था और ना ही उसे संभाला जा रहा था। मृतक महिला सुमित्रा के पति एएसआई रमेश रैगर ने बताया कि साल 2006 से उसकी पत्नी मानसिक रोगी है। उसका इलाज चल रहा था। इसलिए उसे कमरे में रखा जाता था। एएसआई ने उसके सुसराल वालों पर झूठे और निराधार आरोप लगाने की बात कही है। एएसआई ने यह भी बताया कि उसके साथ ससुराल पक्ष से आई महिलाओं ने मारपीट भी की हैं। वहीं मृतका के बड़े भाई मोतीलाल रैगर,अशोक कुमार, चेतन सहित अन्य लोगों ने दामाद रमेश, उसके पुत्र राहुल और धीरज पर मारपीट और गाली गलौज का आरोप लगाया है। मामले की जांच कर रही सदर थाना पुलिस ने बताया कि मृतका सुमित्रा के पति रमेश बूंदी जिले के नैनवा थाने में एएसआई पद पर पदस्थापित हैं। पिछले 11 माह से यही पोस्टेड है। इससे पूर्व दई थाने में तैनात थे। पुलिस ने बताया कि एएसआई के विरुद्ध रिपोर्ट मिली है। उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत करवा कर जांच की जा रही है। सदर थाने के सहायक उपनिरीक्षक अर्जुन लाल ने बताया कि महिला की मौत की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे। एएसआई ने बताया कि मृतका के काका सेवानिवृत पुलिस कर्मी मथुरा लाल रैगर ने अपने दामाद रमेश के विरुद्ध उसकी पत्नी को मारने की रिपोर्ट सौंप कर शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी।

पति ने की पत्नी की शिकायत, सरकारी नौकरी से सस्पेंड, डमी अभ्यर्थी बैठाकर एग्जाम पास किया

जयपुर टाइम्स

कोटा(निसं.) कोटा में पति की शिकायत पर पत्नी को सरकारी नौकरी से सस्पेंड कर दिया। पति ने डमी अभ्यर्थी बैठाकर पत्नी के सरकारी नौकरी लगने का दावा किया था। कहा- मैंने जमीन पर 15 लाख रुपए का कर्जा लेकर पैसे दिए। नौकरी लगते ही पत्नी ने मुझे छोड़ दिया। मनीष मीणा ने पत्नी सपना मीणा को नौकरी से बर्खास्त करने की मांग की है। कहा- पत्नी सवाईमाधोपुर की रहने वाली है। साल 2019 में आरआरबी बोर्ड अजमेर से ग्रुप-डी की भर्ती निकली थी, जिसमें उसकी पत्नी ने ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन करते समय फोटो, साइन और फिंगर मिक्सिंग करके लगाए थे। आवेदन करने के बाद बोर्ड ने 2023 में परीक्षा आयोजित की थी, जिसमें सपना मीणा ने अपने रिश्तेदार ,जो रेलवे का कर्मचारी है। उससे मिलीभगत करके 15 लाख रुपए में दूसरी लड़की को डमी कैंडिडेट के रूप में परीक्षा, वेरिफिकेशन और मेडिकल करवाया। सपना मीणा 25 अप्रैल 2023 को सीधे ट्रेनिंग करने सिरसा हरियाणा गई थी। ट्रेनिंग के बाद सपना को बीकानेर में ज्वॉइनिंग दी। वहां से उसने म्यूचल ट्रांसफर 2024 में सीएनडब्ल्यू कंट्रोल कोटा डिवीजन में करवा लिया। वर्तमान में कोटा डीआरएम कार्यालय में कार्यरत है। मनीष ने बताया कि उसने पत्नी को नौकरी लगवाने के लिए खेती की जमीन पर 15 लाख रुपए का कर्जा लिया था। पति का कहना है- फर्जीवाड़े से नौकरी पाने की शिकायत डीआरएम कोटा, भीमगंजमंडी थाना, पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक और विजिलेंस को की थी। जिसके बाद उसकी पत्नी को निलंबित कर दिया, लेकिन बर्खास्त नहीं किया गया। इस पूरी गड़बड़ी में रेलवे के भी कई लोग शामिल हैं। उन्होंने पैसे का लेन-देन किया था। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया- सपना मीणा का कुछ पारिवारिक मामला चल रहा है। मामले की जांच की जा रही है। वेरिफाई इंस्पेक्टर राघवेंद्र ने बताया- सपना को लेकर शिकायत आई थी। शिकायत पर जॉइंट कमेटी ने जांच की थी, जिसमें एक आरपीएफ इंस्पेक्टर, एक मैं, एक डिपार्टमेंटल इंस्पेक्टर थे। हमने रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारी को दे दी थी। मामले में सपना मीणा का पक्ष जानना चाहा, लेकिन उनका मोबाइल बंद मिला।

स्कूल के टॉयलेट की दीवार गिरी, छात्र की मौत, 5 साल के बच्चे के साथ खेल रहा दोस्त घायल

जयपुर टाइम्स

नीमराना(निसं.) कोटपूतली-बहरोड़ के नीमराना में एक स्कूल के टॉयलेट की दीवार गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा घायल हो गया। दोनों स्टूडेंट टॉयलेट के पास खेल रहे थे। हादसा श्री श्याम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गुरुवार को दोपहर 3 बजे हुआ। सतीश यादव ने बताया- उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले के बरखापुर निवासी अविनाश (5) और बुलंदशहर (यूपी) निवासी कार्तिक (4) स्कूल में खेल रहे थे। इसी दौरान टॉयलेट की दीवार गिर गई। दोनों बच्चों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने अविनाश को मृत घोषित कर दिया। वहीं कार्तिक का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। अविनाश के पिता अरविंद अवस्थी नीमराना के जापानी जोन औद्योगिक क्षेत्र की एक कंपनी में काम करते हैं। उनका परिवार नीमराना के विजय बाग में किराए के मकान में रहता है। उनका घर स्कूल से 500 मीटर दूर है। अविनाश इकलौती संतान था। वह केजी में पढ़ता था। सीबीईओ राजकुमार यादव ने बताया- टॉयलेट के सपोर्ट के लिए बनाई गई दीवार के पास बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान दीवार गिर गई। दीवार के प्लास्टर नहीं था। स्कूल जाकर आए हैं, लेकिन अभी बंद था। मामले में जांच कमेटी बैठाएंगे। कोशिश करेंगे वापस ऐसा घटनाक्रम न हो। जानकारी के अनुसार, दीवार करीब 5 फीट ऊंची थी। हादसे के बाद बच्चों की छुट्टी कर स्कूल प्रशासन ने मुख्य गेट पर ताला लगा दिया है। किसी को अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। मैनेजमेंट ने फिलहाल किसी से बात करने से इनकार कर दिया है। अब तक की जानकारी में सामने आया कि स्कूल की बिल्डिंग के बाहरी हिस्से में प्लास्टर नहीं किया गया है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं हसन खान पुत्र यासिन खान जाति कायमखानी निवासी वार्ड संख्या नया 13, चूरू का मूल निवासी हूं। मेरी पुत्री तस्लीम का विवाह सतार पुत्र युसुफ खां निवासी वार्ड संख्या 05, झुंझुनूं के साथ हुआ था जिनके नुत्फे से एक पुत्र संतान फरमान खान पैदा हुआ। जिनका बाद में तलाक हो गया। तलाक के समय फरमान खान की आयु 3 माह थी, तब से फरमान खान का रहन सहन व लालन पालन मुझ प्रार्थी ने किया था। फरमान खान बच्पन से मेरे पास रहने के कारण सहवन से भूलवश फरमान खान के सभी दस्तावेजों में माता का नाम मुझ प्रार्थी की पत्नी व पिता का नाम मुझ प्रार्थी का गलत अंकित हो गया।
खान आवारा प्रवृति का हो गया है जो कि मुझ प्रार्थी के कहने सुनने में नहीं है। फरमान खान वर्तमान दस्तावेज का गलत फायदा उठाकर किसी के साथ समव्यवहार कर सकता है तो मैं प्रार्थी व परिवारजन किसी भी समव्यवहार में शामिल नहीं है। आज के बाद फरमान खान किसी के साथ जो भी लेन-देन व समव्यवहार करेगा तो वह उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी और ना ही हमारी किसी चल अचल सम्पति में फरमान खान का हिस्सा पांती है। आज के बाद फरमान खान जो भी कानूनी व गैरकानूनी काम करेगा उसमें मुझ प्रार्थी का व परिवारजनों का कोई लेना देना नहीं है। आज के बाद फरमान खान को हर तरीके से प्रार्थी व परिवारजनों के द्वारा बेदखल घोषित किया जाता है।

सुरेश कुमार आर्य
एडवोकेट, चूरू
मो. 9414466124
कोर्ट परिसर, चरू

प्रार्थी
हसन खान पुत्र यासिन खान
जाति कायमखानी निवासी
वार्ड संख्या नया 13, चूरू

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री प्रियंका कक्षा 5वी में अध्ययन कर रही है। मेरे पुत्री के विद्यालय में प्रवेश के समय भूलवश मेरी पुत्री का नाम गलत अंकित करवा दिया था, जिसमें विद्यालय रिकॉर्ड में मेरी पुत्री का सही नाम प्रियंका मांझू अंकित करवाना चाहता हूं, जिस नाम के परिवर्तन की भविष्य में सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरी होगी।

तोला राम पुत्र श्री पुरखा राम जाट
गाँव बैरासर तहसील बीदासर, जिला चूरू, राज.

ट्रैक्टर -ट्रोली व ऊंट गाड़ों पर लगाए रिफ्लेक्टर

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले में 'परवाह' थीम आधारित सड़क सुरक्षा माह-2025 अंतर्गत परिवहन विभाग की टीम ने गुरुवार को ट्रैक्टर -ट्रोली व ऊंट गाड़ों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए। परिवहन निरीक्षक मनोज स्वामी ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा गतिविधियों व ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी। इस दौरान मनोहर सिंह, राजेन्द्र सिंह व जयसिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय किसान सभा का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

13 फरवरी को करेंगे कलेक्ट्री का घेराव

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के किसान मज़दूर भवन में अखिल भारतीय किसान सभा का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए कामरेड निर्मल कुमार ने बताया कि बकाया फसल बीमा व नहर के लिए आंदोलन लड़ने की जरूरत है। पूरे जिले में बकाया फसल बीमा क्लेम लेकर रहेंगे, गांव गांव में किसान सभा की कमेटियां गठन करके मजबूती से आंदोलन लड़ेंगे, आने वाली 13 फरवरी को जिला कलेक्ट्री का घेराव करेंगे व किसान की बात मजबूती से रखेंगे। आनंदगिरी महाराज, चिमनाराम पांडर, पूर्णाराम सरावग, काशीराम पुनिया, उमराव सिंह, राजेंद्र खुड्डी, विक्रम सोनी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर सहदेव पांडिया, हनुमान सहारण, मनोहरलाल शर्मा, सुनील पारिक, श्रवण सहु, शीशपाल धिधवाल, रामस्वरूप सहारण, श्योकरण भांभू, गणपतराम, सुरेंद्र कोहली, हरिराम सहारण, अमरसिंह कस्वां, भीमनगर गोस्वामी, सुल्तान सांसी, ओमप्रकाश ज्याणी, मल्लूराम भाकर, कन्हैयालाल दायमा, कुनन बरोड़, किशन शर्मा, गणेश प्रजापत, राधेश्याम, राउराम सहित काफी किसान उपस्थित रहें।

शिविर में 9 लोगों ने किया रक्तदान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। पोकर मल बालोदिया की स्मृति में कुल 9 परिजनों ने टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार की प्रेरणा से सुजानगढ़ ब्लड बैंक पहुंच कर रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में पुत्र राकेश, श्रवण सहित नवरतन, कैलाश, नरेंद्र, जगदीश, जितेन्द्र, ओमप्रकाश, गौरी शंकर आदि के नाम शामिल हैं। इस दौरान ब्लड बैंक के राकेश और जगदीश भी उपस्थित रहे। स्वर्णकार ने सभी को रक्तदाता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती मनाई

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। क्रांतिकारी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती के स्थानीय रेलवे स्टेशन के पास स्थित सुभाष पार्क में सामाजिक कार्यकर्ता पीथाराम ज्याणी के नेतृत्व में मनाई गई। जयंती के अवसर पर उपस्थित बंधुओं ने नेताजी चंद्र बोस अमर रहे, तुम मुझे खून दो-मैं तुम्हें आजादी दूंगा, सुभाष तेरे सपनों को मंजिल तक पहुंचाएंगे.इत्यादि नारे लगाए। इस अवसर पर कॉमरेड जगदीश नाथ, पीथाराम ज्याणी, कन्हैयालाल तंवर, कमल बागड़ी, राकेश प्रजापत, नन्द किशोर प्रजापत, काना राम सियाग, प्रेम जादम, लक्ष्मी नारायण पंवार, शिव दान सिंह, के.सी. विस्वास, मदन बटेसर, मुंशी, मांगीलाल पलदार, ओंकारमल प्रवीण नेहरा आदि मौजूद रहे। पीथाराम ज्याणी ने बताया कि नेताजी की जीवनी और उनका कठोर त्याग आज के युवाओं के लिए बेहद प्रेरणादायक है। कॉमरेड जगदीश नाथ ने कहा कि नेताजी के बताये जीवन सिद्धांतों पर चलकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की जा सकती है।

ठरड़ा में बनेगा भव्य अस्पताल, फरवरी माह में होगा शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ में चिकित्सा सेवाओं के दिन आने वाले कुछ महीनो में फिरने वाले हैं। दरअसल सुजानगढ़ के प्रवासी नागरिकों के गठित संगठन सुक्षेम फाण्डेशन का बहुत बड़ा प्रोजेक्ट आने वाले कुछ समय में मूर्त रूप लेकर सामने आएगा। इसके तहत निकटवर्ती गांव ठरड़ा में काफी बड़ी हॉस्पीटल का निर्माण होना है, जो 2 से 3 सौ बैड तक की हो सकती है। इस बारे में उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा से जानकारी चाहने पर उन्होंने बताया कि 50 बीघा भूमि को गांव ठरड़ा में चिकित्सा विभाग को आवंटित जा चुका है और इसकी कागजी कार्यवाही भी पूरी हो चुकी है। एसडीएम ने बताया कि 6 बीघा भूमि और विचाराधीन है, जिसके लिए काम चल रहा है। कुछ भूमि की ओर डिमांड है, जिसकी प्रोसेस पटवारियों की हड़ताल के बाद शुरू हो जाएगा और जिसके बारे में जिला कलेक्टर निर्णय लेंगे। चिकित्सा विभाग और सुक्षेम फाउण्डेशन के बीच एमओयू हो चुका है, जिसके परिणाम स्वरूप जल्द ही सुक्षेम फाउण्डेशन हॉस्पीटल का निर्माण करवाएगा, ऐसी उम्मीद की जा सकती है। दूसरी ओर इस बारे में

ग्राम पंचायत बोबासर बीदावतान के सरपंच प्रतिनिधि आनन्दसिंह ने बताया कि यह काफी सौभाग्य की बात है कि हमारी ग्राम पंचायत के गांव ठरड़ा में यह अस्पताल बनेगा। आनन्दसिंह ने बताया कि सुजानगढ़ व आस-पास के शहरों और तीन चार जिलों के लिए यह अस्पताल वरदान बनकर सामने आएगा, क्योंकि अभी सीकर, जयपुर मरीजों को रैफर किया जाता है। इस अस्पताल के निर्माण से सीकर, बीकानेर और जयपुर के अस्पतालों पर भी मरीजों की संख्या का दबाव कम होगा। आनंदसिंह ने बताया कि फरवरी माह के अंत तक अस्पताल के शिलान्यास की अपुष्ट सूचनाएं मिल रही हैं। आनंदसिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हम लोग आभार प्रकट करते हैं कि इतनी बड़ी सौगात हमारे क्षेत्र को मिलने वाली है।

पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। सब्जी मण्डी स्थित गणगोर मार्केट में पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया के जन्म दिवस पर केक काटकर सर्व समाज व व्यापार जगत ने बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया। सर्व समाज के पदाधिकारियों ने अपने अपने संगठनों की तरफ से साफा पहनाकर शाल व माला से अभिनन्दन किया। इस अवसर पर पूर्व एडिशनल एसपी अयूब खान, सुरेंद्र बाकोलिया, घडसीराम स्वामी, विमल सारस्वत, सुशील बजाज, विश्वनाथ राजगुरु, अमर सिंह दनेवा, असलम खोकर, किसना राम बाबल, सोहनलाल फगेडिया, रमेश किला ,महेंद्र चौबे, सीताराम सोनी, इंद्र सिंह शेखावत, शिशपाल गुर्जर, शिवकुमार शर्मा, जंग शेर खान, शेरखान मलकान, महेंद्र राजगडिया, हजारी बाकोलिया, मुंशीखा, कमल किला, महेंद्र चौबे, हरफूल भाबू, घनश्याम राजगढ़िया, पवन महनसरिया, मनोज महनसरिया, मुकेश महनसरिया, योगेश ढाका, विनोद टाइवाला, नियाज खान, पार्षद विनोद खटीक, असलम खा, मोइल समीउल्लाह, गोरी अली, मोहम्मद भाटी, विजय जालान सहित बडी संख्या में शहर व गांव के लोग जिन्होंने महनसरिया का शॉल, साफा, माला व मोमेंट देकर अभिनंदन किया। संचालन राजेश बांटिया ने किया। इसके अलावा भी चौधरी धर्म कांटा के पास पंखा रोड, नई सड़क, सुभाष चौक के पास, अभिनंदन किया गया। इस से पुर्व महनसरिया का अनेक गावों सहित पंखा रोड स्थित चौधरी धर्म कांटे के पास केक काटकर जन्म दिवस मनाया।

पीड़ित पक्षों को कुल 99.54 लाख रुपए का अवार्ड पारित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर न्यायालय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने सडक दुर्घटना मामले में कुल 99.54 लाख रुपए का अवार्ड पारित किया। पीड़ित पक्ष की ओर से पैरवी पर रहे अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा व निर्मल कुमार प्रजापत ने बताया कि 21 जनवरी 2016 को भालेरी का सरकारी अध्यापक किसी काम से चूरू गया हुआ था तो पंखे पर दूधवा का सुभाष मोटरसाईकल लेकर जोगेन्द्र को मिला। दोनों मोटरसाईकल पर सवार होकर भालेरी आ रहे थे कि करणीसर बस अड्डा के पास पहुंचे जहां एक बोलेरो चालक मोहम्मद फारूख निवासी खींवसर ने बोलेरो को तेज गति व लापरवाही से चलाकर सही साइड में चल रही मोटरसाईकल के टक्कर मारी, जिससे जोगेन्द्र के शरीर पर गम्भीर चोटें आई व सुभाष कच्चे में गिर गया। प्राईवेट वाहन की मदद से जोगेन्द्र को सरकारी अस्पताल चूरू ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सड़क दुर्घटना में आई गम्भीर चोटों की वजह से मृत घोषित कर दिया। सुभाष ने उक्त घटना का भालेरी थाने में मुकदमा दर्ज करवाया। पुलिस ने अनुसंधान कर बोलेरो चालक के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। मृतक जोगेन्द्र की ओर से उसकी पत्नी चन्द्रकला व पुत्र पुत्री व माता पिता की ओर से न्यायालय में क्लेम याचिका पेश की। पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने पत्रावली का अवलोकन कर पत्रावली पर आई साक्ष्यों के आधार पर प्रार्थी चन्द्रकला आदि के पक्ष में मय ब्याज कुल 99.54 लाख रूपए का अवार्ड पारित कर अप्रार्थी बीमा कम्पनी को अदा करने का आदेश प्रदान किया।

जोधपुर में प्रॉपर्टी विवाद पर 2 गुट भिड़े, 5 घायल

पावटा शहर के पावटा क्षेत्र की लोहार कॉलोनी में गुरुवार सुबह 2 गुट प्रॉपर्टी के विवाद को लेकर आपस में भिड़ गए। इस दौरान एक-दूसरे पर हुए पथराव में 5 लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने फिलहाल दोनों पक्षों के कुल 12 जनों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। महामंदिर थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि लोहार कॉलोनी में रहने वाले एक ही जाति के दो गुटों में प्रॉपर्टी को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट से एक परिवार के पक्ष के फैसला हुआ था। इसके बाद वह व्यक्ति लोहार कॉलोनी में स्थित दुकान खोलने पहुंचा। इसके बाद दूसरे पक्ष ने विरोध जताते हुए हंगामा कर दिया। कुछ ही देर में यहां दोनों पक्षों के लोग एकत्र हो गए और आपस में उलझ गए। इसी बीच कुछ लोगों ने पथराव कर दिया, जिससे 5 लोग जख्मी हो गए। झगड़े की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों गुट के करीब 12 लोगों को पकड़कर थाने ले गई। जबकि, घायलों को अस्पताल भेजा गया। फिलहाल मौके पर शांति है और एहतियातन यहां अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। पावटा चौराहा के निकट अचानक हुए घटनाक्रम को देख वहां ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक पुलिस के जवान भी यहां पहुंचे और झगड़ा कर रहे लोगों को समझाकर हटाने का प्रयास किया। इनमें महिलाएं भी पुलिस से बहस करते नजर आई। एक बारगी तो दोनों गुट एक-दूसरे पर लाठी व पत्थर फेंकने से भी बाज नहीं आए। बाद में वहां पहुंची महामंदिर पुलिस की टीम ने स्थिति को संभाला

बोस जयंती पर झांकी के साथ निकाला पथ संचलन

जयपुर टाइम्स

रतनगढ(निस)। विद्यालय श्री चिरंजी लाल धानुका व श्री दुर्गा प्रसाद धानुका बालिका आदर्श विद्या मंदिर की ओर से सुभाष चन्द्र जयंती के अवसर पर भारत माता और सुभाषचन्द्र बोस की झांकी के साथ पथ संचलन निकाला गया। व्यवस्थापक रामावतार शर्मा, जिला प्रचारक गिरेन्द्र और व्यवस्थापिका जमुना देवी ने भगवा ध्वज दिखाकर पथ संचलन रवाना किया। घोष के साथ कदम से कदम मिलाते हुए पथ संचलन में विद्यालय के भैया बहिन धानुका विद्यालय से घंटाघर होते हुए अशोक स्तम्भ से प्रजापति भवन, लाल कुआ होते हुए बड़ी शीतला धोरा से धानुका विद्यालय परिसर पहुँचे। विद्यालय पहुंचने पर सह जिला सचिव मनीष बैदी ने सुभाष चन्द्र बोस की जीवनी के बारे में बताया। बालिका प्रधानाचार्य सुनील कुमार महर्षि ने मंचस्थ अतिथियों का परिचय करवाया। नगर प्रचारक नितिन, समिति सदस्य ओमप्रकाश जांगिड़, विनोद कुमार वर्मा, प्रधानाचार्य लोकेश कुमार चौमाल, नरेन्द्र कुमार चौमाल, ताराचन्द शर्मा, नागरमल प्रजापत, महावीर सेवदा, तारा कत्थक, मधु शर्मा, राजेश बशीर, प्रकाश माली, नगेन्द्र जोशी, मनोज शर्मा, भारती शर्मा, श्यामलाल प्रजापत, श्यामसुन्दर ठठेरा, श्यामलाल शर्मा, बजरंग लाल, श्रीकृष्ण सैनी और मुरलीधर प्रजापत उपस्थित रहे।

अजमेर दरगाह में हिंदू मंदिर होने का दावा करने वाले विष्णु गुप्ता को कोर्ट मे सुरक्षा

जयपुर टाइम्स

अजमेर(निसं.)। अजमेर स्थित ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह में हिंदू मंदिर होने का दावा करने वाले हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता को बीते दिनों जान से मारने की धमकी मिली थी. इस मामले में उन्होंने दिल्ली के बाराखंबा थाने में पुलिस शिकायत भी दर्ज कराई थी. हालांकि पुलिस शिकायत किए जाने के बाद भी विष्णु गुप्ता की जान पर खतरा बना हुआ है. अब विष्णु गुप्ता ने जज को दिए शिकायत पत्र में कोर्ट रूम में सुरक्षा व्यवस्था और सख्त करने की मांग की है. दरअसल अजमेर स्थित ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा करने वाले वादी विष्णु गुप्ता ने सुनवाई के दौरान जज के चैंबर में खतरा होने की आशंका जताते हुए जिला जज मनमोहन चंदेल को एक शिकायत पत्र सौंप कर सुनवाई के दौरान चेंबर में अनावश्यक प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की है. साथ ही मुकदमे से संबंधित अधिवक्ताओं और व्यक्ति ही उपस्थित रहे यह उनके द्वारा मांग की गई. वादी विष्णु गुप्ता ने कहा कि उनके द्वारा न्यायालय में भगवान संकट मोचन महादेव विराजमान व अन्य बनाम दरगाह कमेटी दरगाह ख्वाजा साहब और अन्य मामले में व पक्षकार है. यह मामला सिविल जज मनमोहन चंदेल की अदालत न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट पश्चिम में चल रहा है . इस मामले में अगली सुनवाई कल यानी 24 जनवरी 2025 को है. पूर्व में विष्णु गुप्ता को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही है. जिससे उन्हें सुरक्षा को लेकर चिंता सता रही है. पिछली तारीख पेशी 20 दिसंबर 2024 को सुनवाई के दौरान न्यायालय कक्ष में अत्यधिक भीड़ और व्यवस्था देखी गई. न्यायालय कक्ष में इतनी भीड़ हो गई थी कि पर रखने की भी जगह नहीं थी. उस भीड़ का फायदा उठाकर कोई विष्णु गुप्ता को नुकसान पहुंचा सकता है.

सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती पर निकाला पथ संचलन

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। श्री संचियालाल बैद माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर की ओर से सुभाष जंयती के उपलक्ष में घोष की मधुर ध्वनि के साथ नगर के मुख्य मार्गो से पथ संचलन निकाला गया। श्री संचियालाल बैद राजकीय बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्या रूकमणी देवी, मनोज सारस्वत, आनंदीलाल चौधरी, अरूण शर्मा, ओममनोहर स्वामी की ओर से नेता जी सुभाषचन्द्र बोस के चित्र पर तिलकार्चन व पुष्पार्चन कर संचलन को रवाना किया गया। पथ संचलन में भारत माता, रानी लक्ष्मीबाई व स्वामी विवेकानंद, की सुन्दर झांकियों का भव्य प्रदर्शन किया गया। घंटाघर के पास समिति सदस्यों व अशोक स्तम्भ के पास विश्व हिन्दू परिषद् व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने संचलन पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। विद्यालय प्रांगण में सुभाष जंयती मनाई गई। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य शरद कुमार शर्मा, प्रभारी नंदकिशोर ताम्रायत, कृपाशंकर स्वामी, मनोज सैनी, अमित कुमार, भवानी शंकर, दीपक कुमार, इन्द्रचन्द, संजय सिंह, अश्विनी कुमार, योगेश शर्मा, सुशीला शर्मा, प्रियंका शर्मा, ओम कंवर, बबीता, सुमन, अनिता, राधा, लतिका, संगीता, आदि उपस्थित रहे।

सुभाष जयंती पर निकाली रैली

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानीय मोहनी देवी गौरीदत्त सिंगी सरस्वती बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर चूरू की ओर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर रैली का आयोजन किया गया। जिसमें झांकी का मुख्य आकर्षण भारत माता, रानी लक्ष्मी बाई, अहिल्या बाईं होलकर, सुभाष चंद्र बोस व विवेकानंद जी रहे। रैली को जिला प्रमुख वंदना आर्य ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आदर्श शिक्षण संस्थान चूरू के जिला व्यवस्थापक सुरेश सैनी,प्रबंध समिति सदस्य निरंजन वर्मा, मुकेश प्रजापत उपस्थित रहे। रैली प्रतिभा नगर, मोचीवाड़ा, गढ़ चौराहा पहुंची। गढ़ चौराहा पर सोती उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर व औझा आदर्श विद्या मंदिर के भैयाओ का त्रिवेणी संगम हुआ। अंत में प्रधानाचार्या सरिता शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

नए ट्यूबवैल निर्माण की मांग, पार्षद ने लिखा पत्र

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। पार्षद नन्द किशोर भार्गव ने अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को पत्र लिखकर नए ट्यूबवेल निर्माण की मांग की। पार्षद ने कहा कि वार्ड सं 28 धोलिया कुएं के पास वर्ष 2014 में एक ट्यूबवेल का निर्माण करवाया गया था। जिसे आपके विभाग के अधिकारी ने नकारा साबित कर दिया। 23 जुलाई 2024 को वर्तमान कलेक्टर पुष्पा सत्यानी दौरे के दौरान जांच कर इसमें पानी की किल्लत बताई। आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए तत्काल कार्यवाही करते हुए उपरोक्त नकारा ट्युवैल के स्थान पर नया थ्री फेस ट्यूबवैल खुदवाया जाए। ताकि 800 घरों के आमजन को गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति से वंचित न रहे।

सवाई सागर में श्रीराम मूर्ति स्थापना की प्रथम वर्षगांठ पर दीप दान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। ऐतिहासिक राम जन्मभूमि अयोध्या में भगवान श्री राम की मूर्ति स्थापना के प्रथम वर्षगांठ पर गुरुवार रात्री को स्थानीय सवाई सागर बालाजी धाम में 1100 दीपक जलाकर भगवान श्रीराम का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मित्र मंडली के बालकनाथ महाराज ने दीपदान कर किया। इस अवसर पर गोपी राम शर्मा, किशनलाल भाकर, सोनू औझा, विजय सारस्वत, विनोद हारित, मनोज जांगिड़, गुड्डू सैनी, नीरज सारस्वत, कैलाश नवहाल, पृथ्वीराज, महेंद्र प्रजापति, कानाराम शर्मा, गणेश शर्मा, प्रवीन सारस्वत, अमित शर्मा, मुकेश लाटा सहित बड़ी संख्या में शहर के लोग मौजूद रहे। इसी क्रम में उषा सारस्वत, सत्यभामा महर्षि, सरोज महर्षि, कंचन महर्षि, माया, रानी सारस्वत, पूजा भाकर सहित नन्हें-मुन्नों ने भी दीपदान किया। पुजारी महेंद्र सारस्वत ने सभी का आभार प्रकट किया।

एक्सयूवी कार और बाइक की टक्कर, सरकारी टीचर समेत दो की मौत

झुंझुनूं झुंझुनूं में एक्सयूवी कार और बाइक की ढिगाल में टोल के पास भिडंत हो गई। हादसे में सरकारी टीचर समेत दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक व्यक्ति का पैर कटकर लट गया। जिसे गंभीर हालात में जयपुर रेफर किया है। हादसा गुरूवार शाम को साढे चार बजे के करीब मुकनगढ़ थाने इलाके ढ़िगाल के पास हुआ। हादसा इतना भीषण था कि कार हवा में लहराते हुए पलट गई। वहीं बाइक भी चकनाचूर हो गई। हैड कॉस्टेबल महावीर ने बताया कि सीकर रोड़ ढिगाल टोल के पास एक्सयूवी कार और बाइक की भिडन्त की सूचना मिली थी।

चार राज्यों के खिलाड़ी फुटबॉल प्रतियोगिता में दिखाएंगे दमखम

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के राजकीय बागला उमावि खेल मैदान पर चूरू फुटबॉल क्लब की ओर से होने वाले राष्ट्रीय फुटबॉल मैच की तैयारियां जोरों पर चल रही है। क्लब के जिला अध्यक्ष व फुटबॉल कोच शकील दुर्रानी ने बताया कि जल्द ही चार राज्यों से फुटबॉल मैच करने जा रहे हैं। विजेता व उपविजेता को समाज के प्रबुद्ध जनों की और से अभिनंदन किया जाएगा। गौर तलब है कि क्लब की ओर से इससे पहले इंडिया, नाइजीरिया सहित अनेक देशों की टीमों के बीच मैच करवाए जा चुके हैं। शहर के खेल प्रेमी विदेशी खिलाड़ियों का चूरू शहर की सरजमीं पर जोरदार स्वागत कर चुके हैं। जिला सचिव सुरेंद्र सिंह मेड़तिया ने खेल प्रेमियों व शहर के खिलाड़ियों का हौसलाफजाई करने का आह्वान किया। मैच की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सोपी जा रही है। जल्द ही चूरू वासियों को चार राज्य की टीमों के बीच मैच देखने को मिलेगा।

राजस्थान मरू उड़ान कार्यक्रम अंतर्गत कार्यशाला आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार गुरुवार को महिला अधिकारिता विभाग जिला कार्यालय में राजस्थान मरू उड़ान कार्यक्रम अंतर्गत कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में संरक्षण अधिकारी जयप्रकाश ने राजस्थान मरू उड़ान कार्यकम व विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए महिला अधिकारों, महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जिले में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में व राजस्थान मरू उड़ान कार्यक्रम विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान सुपरवाईजर कृष्णा, जेंडर विशेषज्ञ ज्ञानप्रकाश गोदारा, सखी केन्द्र टीम सहित महिलाएं व बालिकाएं उपस्थित रहीं।

नशे की ओर उन्मुख हो रहे युवा, वायरल वीडियो से फैली सनसनी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर में इन दिनों नशे का प्रकोप युवाओं को अपनी जद में ले चुका है और ठरड़ा रोड़उ और इसके आस-पास के क्षेत्र में लोगों को घरों में भी आसानी से नशे का सामान उपलब्ध हो जाता है। इसका जीता-जागता सबूत इस बात से मिलता है कि हाल ही में सोशल मीडिया पर दो युवाओं का एक वीडियो वायरल हो गया। दरअसल नाथोतालाब स्थित एक दुकान में चोरी की घटना हुई, जिसके बाद लोगों ने तलाश करते-करते चोरों को पकड़ लिया और चोरी गए सामान को बेचने के बाद आए रूपयों से नशे का सामान खरीदने की स्वीकारोक्ति वीडियो करते दो युवक नजर आ रहे हैं। दूसरी और नशे जैसी दिखने वाली कुछ दवाईयां भी युवाओं के पास नजर आ रही हैं। हालांकि यह वीडियो तीन-चार दिन पुराना है। इस बारे में सीआई बैगाराम मीणा को तीन-चार दिन पहले अवगत करवाया गया था और मीडियाकर्मियों से वीडियो भी उन्होंने अपने मोबाईल में लिए थे, लेकिन इसमें कोई कार्यवाही आगे नहीं बढ़ पाई। गुरूवार की शाम को सीआई बैगाराम मीणा ने बताया कि वीडियो के बारे में हमारे पास कोई परिवादी नहीं आया, जिसके कारण पुलिस इसका सत्यापन नहीं कर पाई है। अगर कोई रिपोर्ट होगी, तो मामले में जरूर कार्यवाही होगी। लेकिन सोचने वाली बात ये है कि जिस वीडियो में दो युवा नशा खरीदने को लेकर अपनी पहचान तक साफ-साफ बता रहे हैं और एडीशनल एसपी ऑफिस के आस-पास व सांसी बस्ती में नशे की बिक्री होने की बात सामने आई है। लेकिन किसी प्रकार की कार्यवाही न होना और नशा बेचने वालों को सलाखों के पीछे नहीं डालना, काफी आश्चर्य की बात है। हालांकि वीडियो की सत्यता की पुष्टि भी जांच का विषय है।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के सरस्वती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में हर्षोल्लास से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती मनाई गई। समेकित बीएड के प्राचार्य प्रो पीके पांडिया ने इस अवसर पर कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के महानायक थे। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा और जय हिन्द जैसे विजयघोष देने वाले उद्घोषक थे। उनको सही मायने में श्रद्धा सुमन भारत माता की सुरक्षा और अस्मिता करने से दी जा सकती है जो कि सभी का अहम कर्तव्य है। बीएड प्रशिक्षणार्थी राधिका शर्मा ने सुभाष चंद्र बोस पर भाषण दिया। डॉ आरके सैनी ने वर्तमान पीढी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के दिखाए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए द्विवर्षीय बीएड के प्राचार्य डॉ लोकेश शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर रोहित सैनी, गोपाल यादव, सुमित्रा हुड्डा, रामचंद्र रायका, हरि प्रसाद प्रजापत, सुमन लता सैनी, सुभाष चन्द्र, विनोद सैन, श्रवण सैनी, प्रसन्ना सैनी, कविता सैनी, कुशल राम आदि सहित बीएड विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कविता शर्मा ने किया। उपस्थित सभी जनों ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

कांग्रेस की कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर आमजन के साथ कुठाराघात : गहलोत

चूरू आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया वैभव गहलोत का अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व लोकसभा प्रत्याशी वैभव गहलोत के चूरू आगमन पर जिला मुख्यालय के ओम कॉलोनी में बुधवार शाम राजस्थान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रियाज चिश्ती के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारीयों ने गहलोत का भव्य स्वागत किया। इस दौरान युवा कांग्रेस राष्ट्रीय नेता महेश मोरदिया का भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष वैभव गहलोत ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने गत कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में आमजन के लिए शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर आमजन के हितों के साथ कुठाराघात किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता का अहित नहीं होने देंगे। उनकी आवाज को लोकतांत्रिक रूप से प्रमुखता से उठाकर प्रदेश की जनता को न्याय दिलाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर राजस्थान राज्य महिला आयोग अध्यक्ष रेहाना रियाज ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने कार्यकाल में ऐतिहासिक जन कल्याणकारी फैसले लेकर आमजन को राहत देने के लिए जो प्रयास किए थे, वह हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत के ऐतिहासिक कार्यकाल को आज भी प्रदेश की जनता याद करती है। इस अवसर पर पूर्व प्रधान रणजीत सातडा, पूर्व पीसीसी सचिव रियाजत खान, हसन रियाज चिश्ती, सुखाराम घिंटाला, रामनिवास सहारण, नारायण बालान, जंगशेर खान पीथिसर, शेरखान मलकान, महावीर नेहरा, अबरार खान, आरिफ खान, पुरुषोत्तम बिजारणियां, सलामुद्दीन खान, निजामुद्दीन खान, अमरचंद कस्वां, सिराज खान जोईया, हेमंत सिहाग, युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोयल खान डीके, आबिद मोयल, ताजू खान, अरविंद भाम्भू, मुबारक अली भाटी, रफीक चौहान, बबलू तंवर, अब्बास खान, मोहन सैन, सुरेन्द्र बाडकी, महेश डूकिया, योगेन्द्र शर्मा, आशुतोष मासूम, अजू लुहार, अब्दुल्ला कुरैशी, अजीज गौरी, नुरूल हसन राजगढ़िया, तौफीक खान, शाहिल खान, साजिद खान, फरमान खान, समीर खान, जावेद खान, अफराज खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व गहलोत समर्थक उपस्थित रहें। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय के पूर्व संयुक्त निदेशक डीके सैनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बीनासर में रात्रि चौपाल, एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने सुनीं जनसमस्याएं

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने बुधवार को बीनासर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रात्रि चौपाल आयोजित कर जनसमस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से विचार-विमर्श कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि पशुपालक अपने पशुधन का मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में बीमा करवाएं। प्रदेश सरकार पशुपालकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। पशुधन का बीमा हो जाने से पशुपालक समृद्ध होंगे। योजनान्तर्गत पशु बीमा पूर्णतया निःशुल्क है। इसलिए सभी पशुपालक बीमा करवाते हुए लाभ उठाएं। उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना की जानकारी देते हुए आमजन से योजनान्तर्गत सोलर प्लांट स्थापित करने की अपील की। उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समुचित निस्तारण के निर्देश दिए। सरपंच जीवणी देवी व ग्रामवासियों ने बिजली, पानी, राजस्व व ग्रामीण विकास से संबंधित प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किए, जिस पर एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इस दौरान तहसीलदार अशोक गोरा, बीडीओ महेन्द्र कुमार भार्गव, जेडीवीवीएनएल से हर्षित, महावीर सिंह, चिकित्सा विभाग से सुनिता, पीएचईडी से राजेन्द्र सिंह, सानिवि जेईएन मनोहर सिंह, गिरधारीलाल, पशुपालन विभाग से डॉ नीतू ढाका, कृषि विभाग से पूजा, ग्राम विकास अधिकारी ममता शेखावत, ललिता, नरेन्द्र, मंजू, रूकमणी, कमला, सद्दाम हुसैन सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रोलसाहबसर में दिव्य ज्योति शोभायात्रा का भव्य स्वागत

दादी का भव्य चांदी का दरबार आकर्षण का केंद्र

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्री ढ़ांढ़ण शक्ति भक्त मंडल चूरू की ओर से टीडा गेला दादी के अखिल भारतीय रजत जयंती बसंतोत्सव के तहत निकाली गई दिव्य ज्योति रथ यात्रा के अन्तिम पड़ाव के दौरान गुरूवार को रोलसाहबसर पहुंचने पर ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान अतिथियों ने रथ यात्रा को रोलसाहबसर तिराहे से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रोलसाहबसर पहुंचते ही यह रथ यात्रा शोभायात्रा में परिवर्तित हो गई। शोभायात्रा गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए ढ़ांढ़ण शक्ति धाम पहुंची। शोभायात्रा का जगह-जगह तोरण द्वार बनाकर व पुष्प वर्षा कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान नासिक के बैंड वादन, ऊंट-घोड़ी नृत्य व निकाली गई हाथी की सवारी ने शोभायात्रा को चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर सजाया गया दादी का भव्य चांदी का दरबार सभी के आकर्षण का केंद्र रहा। शोभायात्रा का आलम यह था कि हाथों में ध्वज पताका लिए नाचते-गाते महिला-पुरुषों ने आमजन को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने हाथों में दादी का मुखटा लेकर मंगल गीत गाते हुए ताल से ताल मिलाकर वातावरण को धार्मिकमय बना दिया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अयोध्या में राम मन्दिर मूर्ति स्थापना दिवस पर धार्मिक कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के तोलाराम इंद्रचंद श्याम सुन्दर लखोटिया परिवार की ओर से निर्मित वीर हनुमान मंदिर में श्री राम प्रतिष्ठा महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान श्री श्याम ताली संकीर्तन मंडल व वीर हनुमान भक्त मंडल के सदस्यों की ओर से ताली कीर्तन आयोजित करवाया गया। पंडित रमेश शर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के दिन से वीर हनुमान मंदिर में प्रत्येक पूर्णिमा को सुंदरकांड पाठ कार्यक्रम शुरू किया गया था। वीर हनुमान मंदिर में अब तक सुंदरकांड पाठ, श्रावण मास में ऊं नमः शिवाय संकीर्तन, हनुमान जयंती व शरद पूर्णिमा पर विशाल जागरण सहित पूरे वर्ष भर 24 से अधिक धार्मिक कार्यक्रमो का आयोजन किया जा चुका है। मंदिर प्रांगण में इन कार्यक्रमों को एक वर्ष पूर्ण होने पर श्याम ताली संकीर्तन श्री श्याम युवा मंडल टीम की ओर से गजानद महाराज पधारो, कीर्तन की सब तैयारी है भजन से शुरू किया गया। श्याम भक्त गिरधारी प्रजापत ने श्री राम जानकी बैठे है। मेरे सीने में भजन से बालाजी महाराज का गुणगान किया गया। पंडित रमेश शर्मा ने ताली कीर्तन के पश्चात आरती की ओर भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में गिरधारीलाल प्रजापत, बालचंद सेवदा, चैनाराम नाई, पवन, सांवरमल तंवर, किशन सुथार, ललित लखोटिया, प्रशांत सेवदा, देवीदत बागड़ी, विनोद मीणा, आशीष, यशस्वी, देवीसिंह चौहान, सुभाष सैनी, राधे सैनी, रवि सैनी, अनिल, चिरायु, प्रमोद पटवारी, मुकेश प्रजापत, भंवरलाल दादरवाल, राम सैनी, बद्रीदान चारण, गोपाल, सत्यनारायण झाकल, विजय प्रजापत, राम प्रजापत आदि कीर्तन मंडली सदस्य व मोहल्ले वासी उपस्थित रहे। वीर भक्त हनुमान मंडल ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

प्रतिबंधित प्लास्टिक बैग के खिलाफ नपा की कार्रवाई, 72 किलो प्लास्टिक बैग जब्त

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ नगरपालिका प्रशासन की ओर से प्रतिबंधित पॉलिथीन बैग के खिलाफ गुरुवार को शहर में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार प्रशासन की ओर से करीब 72 किलो प्रतिबंधित पॉलिथीन बैग अलग अलग व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर से कारवाई कर जब्त की गई। वही प्रशासन की कार्रवाई से शहर के बाजारों में हड़कंप मच गया और व्यापारियों ने प्लास्टिक बैग इधर - उधर छुपा दिए।नगर पालिका जेईएन पारस चौधरी में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार लक्ष्मणगढ़ नगर पालिका क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की गई जिसके तहत कुल 72 किलो 400 ग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक थैली जप्त की है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही दुकानदारों से आग्रह किया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक थैली का उपयोग बंद किया जाए। उन्होंने बताया कि कार्रवाई भविष्य में आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

बीएससी की छात्रा ने युवक से परेशान होकर किया सुसाइड

जयपुर टाइम्स

बाली(निसं)बीएससी की छात्रा ने घर पर चाय बनाई और माता-पिता के साथ चाय पी। इसके 1 घंटे बाद ही कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिजनों ने एक युवक पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए नामजद मामला दर्ज कराया है। घटना पाली जिले के सादड़ी थाना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब 4 बजे की है। थानाधिकारी हनवंतसिंह सोढ़ा ने बताया- 21 वर्षीय छात्रा चंदा (बदला हुआ नाम) ने बुधवार दोपहर करीब 3 बजे चाय बनाई थी। माता-पिता के साथ चंदा ने भी चाय पी। इसके बाद उसने घर के एक कमरे में पंखे के हुक पर रस्सी से फंदा लगा लिया। परिजनों ने उसे फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुरुवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।